हमने तमिल लोगों के लिए दिलों.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 81 | गाजियाबाद / बुधवार 24 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

15 मौतों के बाद जागी योगी सरकार

● बड़े ऐक्शन की है तैयारी, ढहाई जाएगी बिल्डिंग ● यूपी के 20 शहरों के कोचिंग सेंटर्स में छापेमारी

33 सेंटर सील, बेटी का शव देखकर मां बेहोश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की कोचिंग में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए एसआईटी और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने बिल्डिंग की जांच की। एसआईटी टीम में आईपीएस प्रवीण कुमार और आईएएस अमृत अभिजात शामिल हैं। शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव परिजन को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गई। जांच में पता चला है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अवैध थी। 2016 में गिराने का आदेश हुआ था। बाद में आदेश निरस्त कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया- बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा। बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राधिकरण के 6 अफसर सस्पेंड कर दिए गए हैं। 14 अफसरों पर भी कार्रवाई हो सकती है। इधर, अग्निकांड के बाद प्रदेश के 20 से ज्यादा शहरों में कोचिंग-होटलों में पुलिस छापेमारी कर रही है। अब तक 33 कोचिंग और 3 होलट सील कर दिए गए हैं।

20 शहरों में कोचिंग-होटलों में छापेमारी

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, प्रयागराज, नोएडा, बहराइच और वाराणसी समेत 20 शहरों में पुलिस होटल और कोचिंग संस्थानों पर छापेमारी कर रही है। अब तक कानपुर में 30, वाराणसी में 2 और नोएडा और मथुरा में 1-1 कोचिंग को सील किया गया है। इसके अलावा बरेली में 2 होटल और मथुरा में 1 होटल को भी सील किया गया है। पुलिस कोचिंग संस्थानों और होटलों में सुरक्षा मानकों की जांच कर रही है। यह देखा जा रहा है कि बिल्डिंग में फायर सेफ्टी की व्यवस्था है या नहीं, इमरजेंसी गेट मौजूद है या नहीं और आपात स्थिति से निपटने के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं या नहीं।

डिंपल बोलीं- जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो

लखनऊ कोचिंग कांड पर डिंपल बोलीं- हादसे के जिम्मेदारों पर हो सख्त कार्रवाई लखनऊ अग्निकांड को लेकर सांसद डिम्पल यादव ने कहा- बहुत ही दर्दनाक घटना है। इसमें बहुत सारे छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। उनके परिवार वालों के साथ हमारी संवेदना है। उन्होंने कहा- सरकार पूरा सहयोग करे, जो बच्चे घायल हैं, उनका सही से इलाज कराए और मृतकों के परिवार वालों को मुआवजा देना चाहिए। घटना की वजह भी पता कराना चाहिए। इस घटना में जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें चिह्नित करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

संक्षिप्त समाचार

ममता जो सीट हारीं, वहां सुरक्षित रखे जाएं रिकार्ड

● हाईकोर्ट ने कहा-ईवीएम-वीवीपैट से न हो कोई छेड़छाड़

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट की मतगणना से जुड़े सभी अहम सबूत सुरक्षित रखने का आदेश दिया। अदालत ने रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई करते हुए कहा कि ईवीएम, वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र बने शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, जरूरत पड़ने पर इन सभी साक्ष्यों की जांच होगी। अदालत की अनुमति के बिना इन्हें न तो मिटाया जाएगा, न बदला जाएगा, न नष्ट किया जाएगा और न ही इनके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ की जाएगी। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के आदेश दिए हैं। इसके तहत शुभेंदु अधिकारी, उनके सलाहकार सुभ्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाया जाएगा। भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर लगा था गद्दार का टैग

● स्पीकर के फैसले से बच पाई सोफिया फिरदौस की विधायकी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में पहली और एकमात्र मुस्लिम महिला विधायक सोफिया फिरदौस के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग करने पर बड़ा बवाल मचा था। कांग्रेस पार्टी ने सोफिया फिरदौस समेत दूसरे विधायकों को क्रॉस वोटिंग पर पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी के 11 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इन पद गद्दारी का आरोप लगा था। इसके बाद कांग्रेस और बीजेडी दोनों सदस्यता खत्म करने के अर्जियां स्पीकर को दी थीं। स्पीकर स्पीकर सुरमा पाढ़ी ने सोमवार को 11 विधायकों के आठ और कांग्रेस के तीन) के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। **सोफिया समेत 11 विधायकों को मिली राहत**- ओडिशा विधानसभा स्पीकर के समक्ष ये याचिकाएं 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग करने के कारण दायर की गई थीं। स्पीकर ने हर विधायक के लिए अलग-अलग आदेश जारी करते हुए कहा कि याचिकाओं में सही वेरिफिकेशन और सपोर्टिंग सबूतों की कमी थी। दो अन्य विधायक भी शामिल हैं।

एसआईटी ने सरकार को सौंपी राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट

20 पेज की रिपोर्ट में ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ

नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए। 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर से रिकवरी हुई है।

मोदी सरकार में इकलौते इसाई मंत्री का इस्तीफा

● बीजेपी ने दोबारा नहीं दिया था राज्यसभा का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका छह साल का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो गया था। कुरियन शायद केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हुआ है। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा, भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। 65 साल के कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्रीय कैबिनेट में राज्य मंत्री के तौर पर काम कर रहे थे।

गुजरात में आप एमएलए चैतर वसावा को बड़ा झटका

● वनकर्मियों से मारपीट मामले में सात साल की सजा; विधायकी खतरे में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के नर्मदा जिले की डेडियापाडा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के फायरब्रांड विधायक चैतर वसावा की मुश्किलें सातवें आसमान पर पहुंच गई है। राजपीपला सेशंस कोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारियों पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चैतर वसावा, उनकी पत्नी और अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल की जेल की सजा सुनाई है। सजा के अलावा विधायक एवं उनकी पत्नी को 96000 हजार रुपए का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया गया है।

दिल्ली में 11 साल की मासूम से रेप फिर हत्या

● फुटपाथ से सोते वक्त उठा ले गया था टैक्सी ड्राइवर गुब्बारे बेचती थी बच्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलीजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सड़क से गुजरते समय उसने सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर बच्ची को सोते हुए देखा था। उसने नींद में ही बच्ची को उठाया और कार की पिछली सीट पर लिटाकर महरौली के जंगलों में ले गया था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया।

एक तरफ झमाझम, दूसरी ओर 'लू' की मार

● अबकी बार देश में दिख रहे मौसम के दो रूप

● **7-20 सेमी तक भारी बारिश का अलर्ट**- दिल्ली-यूपी-हरियाणा को भले ही अभी मॉनसून के लिए इंतजार करना पड़ रहा है लेकिन दूसरी तरफ मौसम विभाग ने कहा है कि इस सप्ताह देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि विशेष रूप से पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश (7-20 सेमी) का अनुमान है। गोवा, तटीय कर्नाटक व केरल में बारिश जारी है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमानों के ताजा बुलेटिन में कहा है कि इस समय देश में मौसम के दो अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक, एक तरफ जहां मॉनसून की रिमझिम फुहारें उमस और गर्मी से राहत दे रही हैं, वहीं कुछ इलाकों, जैसे-पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। आईएमडी ने कहा है कि इन इलाकों में अगले कुछ दिनों तक लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक तापमान प्रयागराज में 43.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मॉनसून की अगली मंजिल गुजरात और उत्तर प्रदेश

मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले 2-3 दिनों में मॉनसून गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के और अधिक हिस्सों में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इसके बाद के 3-4 दिनों में यह झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की सीमा में भी दाखिल हो सकता है। आईएमडी के मुताबिक, फिलहाल मॉनसून की उत्तरी सीमा दहानू, वर्धा, रायपुर और मोतीहारी जैसे क्षेत्रों से होकर गुजर रही है।

कोंकण से गोवा तक बारिश के आसार

मौसम विभाग ने कहा है कि कोंकण और गोवा में 23 जून को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश और 24-26 जून के दौरान बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों असम और मेघालय में भी 23 जून और 26-27 जून के बीच मूसलाधार (बहुत भारी) बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 जून और 25 से 29 जून के बीच बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा तटीय कर्नाटक में 23 से 26 जून के दौरान बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। बिहार में भी 28 जून को कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो चेतावनी जारी की गई है। मध्य महाराष्ट्र के लिए भी 23 और 26 जून को बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

जिससे होनी थी शादी, उसी की ले ली जान

● अब पुणे में 'सोनम कांड', मंगेतर ने बॉयफ्रेंड संग रचा खूनी खेल

मुंबई (एजेंसी)। सोनम रघुवंशी तो आपको याद ही होगी। हां... वही सोनम जिस पर अपने पति को धक्का देकर मारने का आरोप है। ठीक उसी तरह का मामला अब पुणे से सामने आया है। यहां पर किरदार बदल गए हैं। सोनम शादी के बाद घटना को अंजाम दिया था और यहां शादी से पहले। दरअसल, लोहागढ़ किले में केतन विशाल अग्रवाल (26) की मौत अब प्रेम-षड्यंत्र की एक चौंकाने वाली हत्या साबित हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि केतन को उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने किले की घाटी में धक्का देकर मार डाला। मामले की जांच कर रही पुणे पुलिस के अनुसार, 19 जून को हुई यह घटना हत्या का तीसरा और सफल प्रयास था। पुलिस के अनुसार, इससे पहले 31 मई और 14 जून को भी दोनों आरोपी केतन को मारने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन वह विफल रहे। दोनों मौकों पर आरोपी घटना को दुर्घटना का रूप देना चाहते थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर सिया गोयल और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों घटना के समय मौके पर मौजूद थे। तकनीकी साक्ष्यों,

मोबाइल रिकॉर्ड और डिजिटल एविडेंस से साफ हो गया है कि यह आकस्मिक गिरना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी।

पहले से था हत्या का प्लान

बताया जा रहा है कि केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल और दोस्तों के साथ लोहागढ़ किले गए थे। अगले महीने होने वाली शादी से पहले सिया का जन्मदिन मनाने का कार्यक्रम था। पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल का चेतन चौधरी नामक व्यक्ति से अवैध संबंध था और वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी। परिवार द्वारा तय इस रिश्ते को तोड़ने के लिए उसने चेतन के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। पहला प्रयास 31 मई को हुआ था। इसके बाद 14 जून को सांप के हमले का बहाना बनाकर केतन को घाटी में धकेलने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। और 19 जून को सिया ने फिर से किले की यात्रा का आयोजन किया और चेतन को बुलाकर केतन को करीब 350 फीट गहरी घाटी में धक्का दे दिया। दरअसल, शुरुआत में पुलिस ने इसे आकस्मिक घटना मानकर केस दर्ज किया था। केतन तस्वीरें लेते हुए घाटी के किनारे से फिसल गए, ऐसा माना गया। लेकिन सिया गोयल से पूछताछ में कुछ बातें छिपाने का पता चला।

केतन के परिवार को लगा झटका

केतन के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि शादी से पहले दोनों बाली जाने वाला था। सभी टिकट और होटल बुकिंग हो चुकी थी, लेकिन सिया ने होटल के वॉशरूम में अपना पासपोर्ट फाड़कर फेंक दिया और प्लान कैंसल कर दी। उन्होंने आगे बताया कि केतन ने महाबलेश्वर में सिया के जन्मदिन के लिए लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे भी बुक किए थे।

लोहागढ़ में प्री-वेडिंग फोटोशूट की भी योजना थी। परिवार को अब गहरा सदमा लगा है। उन्होंने कहा कि हम सोच भी नहीं सकते थे कि यह हत्या होगी।

हमने तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने कितना संघर्ष किया...अब यहां पर हैं

–तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में आलोचकों को दिया करारा जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उन आलोचकों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उनकी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को एक्टर की पार्टी कहा है। मंगलवार सुबह विधानसभा में दिए भाषण में उन्होंने अप्रैल-मई के चुनावों में टीवीके की सफलता की ओर इशारा करते हुए आलोचकों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी कितनी सफल रही है। अपने दमदार भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। केंद्र सरकार का गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपना और नीट को खत्म करने की मांग। उन्होंने टीवीके की राजनीतिक ताकत और अपनी प्रशासनिक समझ पर शक करने वालों और आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया।

विजय ने विधानसभा को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया है और न तो पार्टी और न ही उनका खुद का इरादा कभी खत्म होने का है। उन्होंने कहा कि हमें आसानी से सत्ता नहीं मिली। सिर्फ हम ही जानते हैं कि तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया। कुछ लोग ऐसा दिखावा करते हैं जैसे वे समझते नहीं हैं और हमारी आलोचना करते हैं, कहते हैं वह तो बस एक एक्टर की पार्टी है।

सीएम विजय ने कहा कि हम ऐसी आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। हमारी राजनीति साफ़-सुथरी है। हमें 35 फीसदी वोट मिले। कुछ लोग कहते हैं कि हम बहुत आसानी से सत्ता में आ गए... लेकिन हमने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया। हमने हर चीज़ का सामना किया...और आज हम यहां पर हैं। अभी लंबा सफ़र तय करना है। नीट जो देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए एक ही क्वालिफाइंग परीक्षा है इस पर चल रहे विवाद पर विजय ने कहा कि यह सिस्टम असमानता पैदा करता है और उन्होंने इसे खत्म करने की मांग की।

पिछले कुछ सालों में नीट परीक्षा विवादों का केंद्र रही है, जिसमें परीक्षा के दबाव के कारण छात्रों की आत्महत्या से लेकर प्रश्न पत्रों के लीक होने तक की घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने देश में चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता को धूमिल किया है। तमिलनाडु ने बार-बार परीक्षा रद्द करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर सीटें आवंटित करने की मांग की है और हिंदी को थोपने के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य में एक संवेदनशील मुद्दा है और जिस पर अतीत में हिंसक दंगे भी हुए हैं। नए सीएम विजय ने जोर देकर कहा कि मौजूदा दो-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी पर्याप्त है।

ईरान जंग में इजराइल–अमेरिका से ज्यादा भारतीय मरे

-अमेरिका के 13, इजराइल के 24 तो भारत के 25 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध में इजराइल और अमेरिका से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। वो भी तब, जब भारत इस जंग में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। सोमवार (22 जून) को कतर के रास लाफान पर हमले में 12 भारतीयों की मौत हो गई, जिसके बाद युद्ध की चपेट में आने से मरने वाले भारतीयों की संख्या 25 पर पहुंच गई है। वहीं इस युद्ध में अमेरिका के 13 तो इजराइल के 24 नागरिक मारे गए हैं। युद्ध में इजराइल के हमले से सबसे ज्यादा लेबनान के 4 हजार और ईरान के 3600 लोग मारे गए हैं। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई से लेकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख मोहम्मद पाकपूर और ईरान सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारिजानी तक की हत्या हो चुकी है। कतर के रास लाफान के अलावा भारत के 6 नागरिक होर्मुज में मारे गए। इनमें 3 नागरिकों की मौत अमेरिकी हमले में हो गई। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री को फोन कर इस पर प्रतिरोध जताया था। इसके अलावा कतर में ही पिछले दिनों एक हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एक भारतीय की मौत कुवैत में ईरान के हमले के दौरान हो गई थी। यूएई में भी भारतीय मारे जा चुके हैं। यानी कुल मिलाकर ईरान जंग में अब तक 25 भारतीयों की मौत हो चुकी है।

ढोल–नगाड़ों के साथ खुले बाबा महाकाल के कपाट, त्रिशूल, त्रिपुण्ड से हुआ श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल–नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, त्रिपुण्ड और ड्रायफ्रूट से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। पहले महाकाल को शमशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और औषधीय जड़ी–बूटियों से तैयार भस्म का इस्तेमाल होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती–सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरुरी है। बाबा महाकाल की आरती देखने बड़ी हस्तियां भी आती हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहती है।

10 साल की मासूम से रेप, हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ममता बनर्जी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-भवानीपुर के ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षित रखे जाएं, जरूरत पडऩे पर जांच होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई की। कोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी अहम साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ईवीएम–वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जरूरत पडऩे पर उनकी जांच होगी। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र रहे शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री शुभेंदु उनके सलाहकार सुभ्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाने का आदेश दिया गया है। भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व सीएम ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

एक मोबाइल नंबर से खुला 3000 करोड़ का फर्जीवाड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में सगे भाइयों द्वारा 3000 करोड़ से अधिक के विशाल फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। संगठित गिरोह ने बिना किसी वास्तविक खरीद–बिक्री के, केवल कागजों पर हजारों करोड़ का टर्नओवर दिखाया। आरोप है कि उन्होंने गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी का दुरुपयोग कर 27 फर्जी कंपनियाँ बनाईं। इन कागजी कंपनियों के ज़रिए 720 करोड़ के फर्जी बिल काटे गए, जिससे सरकार से 108 करोड़ का अनुचित टैक्स लाभ लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोड़ किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग–अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। कुल 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ नकद निकाले गए। यह घोटाला 2018 से 2024 तक चलता रहा। बैंक अधिकारियों की सूचना पर 2024 में डीजीजीआई ने जाँच शुरू की और 9 अक्टूबर 2024 को रेड कर मास्टरमाइंड भाइयों को गिरफ्तार किया। 9 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके उपरांत ईडी ने मामले की गहनता से जाँच की और 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। कमिश्नर के आदेश पर अमित गोयल सहित पाँच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राष्ट्रव्यापी श्रद्धांजलि, पीएम मोदी, सीएम सुवेंदु ने किया याद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला श्मशान घाट में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी कोलकाता में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून, 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में श्रीनगर की एक जेल में हुआ था। उन्हें बिना परमिट जम्मू–कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अलंकृत

–शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, ममूटी और विजय अमृतराज भी हुए सम्मानित

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'सिविल इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2' में वर्ष 2026 के लिए 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरेन, प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इस दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले मई में आयोजित पहले समारोह में भी 65 लोगों को पद्म सम्मान दिए गए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान ग्रहण किया। वहीं, लोकप्रिय पार्श्व गायिका अलका याग्निक को भी उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पी. नारायणन और सेवानिवृत्त न्यायाधीश के. टी. थॉमस को क्रमशः साहित्य एवं शिक्षा तथा जनसेवा के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर महेंद्र नाथ रॉय को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि विदेशी नागरिकों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अमेरिका के चिकित्सक डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी को पद्म भूषण दिया गया, जबकि रूस की ल्यूडमिला खोखलोवा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जॉर्जिया के व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली को मरणोपरांत खेल क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाज सेवा और जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

ऋषिकेश में एमडीडीए का बड़ा एक्शन: बिना नक्शे के बन रहे तीन व्यावसायिक और अवैध भवन सील

अवैध निर्माण करने वालों में मचा हड़कंप, उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी और सचिव मोहन सिंह बर्निया ने दी सख्त चेतावनी

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने ऋषिकेश क्षेत्र में अवैध निमार्णों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाते हुए तीन निमार्णाधीन भवनों को सील कर दिया है। प्राधिकरण की इस अचानक हुई कार्रवाई से इलाके के अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया है। एमडीडीए प्रबंधन ने साफ चेतावनी दी है कि बिना स्वीकृत मानचित्र (नक्शे) और अनुमति के किया जाने वाला कोई भी निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इन तीन जगहों पर हुई सीलिंग की कार्रवाई

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के निर्देश पर एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने ऋषिकेश में सघन चेकिंग अभियान चलाया, जिसके तहत नियमों के खिलाफ बन रही इन संपत्तियों को सील किया गया:

◆ **लक्कड़घाट रोड निर्मल बाग क्षेत्र में अंकित रावत द्वारा बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था, जिसे टीम ने मौके पर ही सील कर दिया।**

◆ **निर्मल बाग ब्लॉक–बी विस्थापित क्षेत्र की गली नंबर–10 में शशि कुमार गौड़ द्वारा किए जा रहे अनधिकृत निर्माण पर भी टीम ने तुरंत ताला जड़ दिया।**

ट गुमानीवाला नागराजा मंदिर क्षेत्र में साहाब सिंह रमोला द्वारा बिना किसी अनुमति के व्यावसायिक निर्माण किया जा रहा था। प्रवर्तन टीम ने इसे अवैध पाते हुए सीलिंग की कार्रवाई की।

नियम तोड़ने वालों पर सीधे दर्ज होगी एफआईआर, होगा ध्वस्तीकरण

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973) के तहत बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण करना कानूनी अपराध है। ऐसे मामलों में केवल सीलिंग ही नहीं, बल्कि अवैध हिस्से को ढहाने (ध्वस्तीकरण) और कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है। यह पूरी कार्रवाई सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, प्रमोद मेहरा, राजेंद्र बहुगुणा, अवर अभियंताओं और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी की गई।

शहर के सुनियोजित विकास के लिए सख्त कदम जरूरी: बंशीधर तिवारी (उपाध्यक्ष, एमडीडीए)

"एमडीडीए क्षेत्र में अवैध निर्माण और अनधिकृत विकास के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। ऋषिकेश में सील किए गए तीनों भवन बिना जरूरी मंजूरी के बन रहे थे। हमारा मकसद सुरक्षित और व्यवस्थित शहर का निर्माण करना है। जनता से अपील है कि वे निर्माण शुरू करने से पहले एमडीडीए से नक्शा पास जरूर कराएं।"

नियमों की अनदेखी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं: मोहन सिंह बर्निया (सचिव, एमडीडीए)

"नियमित निरीक्षण के दौरान इन तीनों अवैध निमार्णों को चिन्हित कर सील किया गया है। बिना मानचित्र स्वीकृति के काम करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह का सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा।"

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुर्शीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

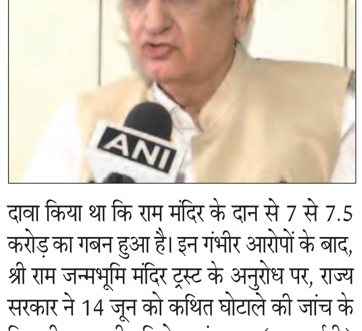

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई त्रासदी हो सकती है? खुर्शीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सज़ा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में ज़रा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इसतरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुप्रबंधन, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थागत ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

–एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

–परिजनों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

जिला मुख्यालय पर डीएम की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का निस्तारण करने के लिए जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जिलाधिकारी ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, अवैध कब्जों एवं भूमाफियाओं के विरुद्ध प्रभावी अभियान तथा गरीब का गृह प्रवेश जैसे जनकल्याणकारी प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव जनपद में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पात्र एवं पीड़ित व्यक्तियों को शीघ्र न्याय मिलने से आमजन का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

जनता दर्शन में नागरिकों की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि लोगों को प्रशासन की संवेदनशील एवं जवाबदेह कार्यशैली पर भरोसा बढ़ा है। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने अधिकारियों को

निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना, पीड़ितों को न्याय दिलाना, जनपद का समग्र विकास, सौन्दर्यीकरण एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आमजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है, जिसमें सभी का सहयोग अपेक्षित एवं अनिवार्य है। जनता से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है, उनका किसी प्रकार का उत्पीड़न हो रहा है। सरकारी अथवा निजी भूमि पर अवैध कब्जे की समस्या है अथवा शासन-प्रशासन से संबंधित कोई अन्य समस्या है, तो वह जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी बात सीधे रख सकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक मामले में प्रशासन संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए न्याय दिलाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होने कहा कि राजस्व हानि और जनता का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहित, जनसुविधा, विकास और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर जिलाधिकारी (नगर), सिटी मजिस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: 206 बहुमंजिला इमारतों में मिलीं अग्नि सुरक्षा में कमियां, 62 को सील करने की तैयारी

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम के गौर ग्रीन एवेन्यू में हाल ही में हुए अग्निकांड को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बेहद गंभीरता से लिया है। जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्राधिकरण ने जिले भर के बहुमंजिला भवनों, आवासीय सोसायटियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच के लिए एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। जीडीए की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से नियमों का उल्लंघन करने वाले भवन स्वामियों और बिल्डरों में हड़कंप मच गया है।

प्राधिकरण की प्रवर्तन टीमों ने अलग-अलग जोन में स्थलीय निरीक्षण और दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। इस विशेष अभियान के तहत मुख्य रूप से यह देखा जा रहा है कि भवनों के पास अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) है या नहीं, और मौके पर सुरक्षा उपकरण काम कर रहे हैं या नहीं।

जांच में खुली पोल: 206 परिसर डिफॉल्टर घोषित

जीडीए द्वारा अब तक किए गए औचक निरीक्षणों में सुरक्षा व्यवस्था की भारी पोल खुली है। टीमों ने जांच के दौरान करीब 206 ऐसे परिसरों को चिन्हित किया है, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों में गंभीर कमियां पाई गई हैं। प्राधिकरण ने इन सभी के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 के तहत

कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बड़ी कार्रवाई: लापरवाही बरतने वाले इन मामलों में प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाते हुए अब तक लगभग 62 प्रकरणों में सीलिंग की कार्यवाही पूरी कर ली है। बाकी बचे मामलों की रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को सख्त एक्शन के लिए भेज दी गई है।

होटल, अस्पताल और कोचिंग संस्थान भी रडार पर

यह अभियान केवल आवासीय सोसायटियों तक सीमित नहीं है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और प्रभारी प्रवर्तन अधिकारियों के नेतृत्व में गठित विशेष टीमें होटल, बैंक्वेट हॉल, रेस्टोरेंट, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों और अन्य सभी व्यावसायिक मॉल का भी बारीकी से निरीक्षण कर रही हैं। प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी संस्थान को

बख्शा नहीं जाएगा।

आरडब्ल्यूए को अल्टीमेटम, खामियां मिलीं तो पदाधिकारी होंगे जिम्मेदार

जीडीए ने जिले की उन सभी ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों के निवासियों और आरडब्ल्यूए (रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के पदाधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं, जहां सोसायटियों का हैंडओवर हो चुका है। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को पत्र भेजकर निर्देशित किया गया है कि वे अपनी सोसायटियों में स्थापित:

- **फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम**
- **फायर हाइड्रेंट और पानी की उपलब्धता**
- **आपातकालीन निकास मार्ग (इमरजेंसी एग्जिट)**

जैसी प्रणालियों को तुरंत दुरुस्त और चालू हालत में रखें। प्राधिकरण की टीमें किसी भी समय इन सोसायटियों का औचक

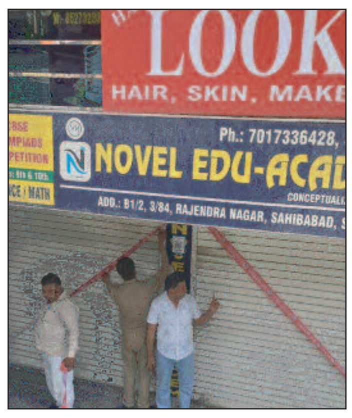

निरीक्षण कर सकती हैं।

अग्निशमन विभाग को हाई-टेक बनाने के लिए ₹100 करोड़ आवंटित

भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने और आग पर तेजी से काबू पाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने एक बड़ा कदम उठाया है। जीडीए ने अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) की क्षमता और संसाधनों को बढ़ाने के लिए ₹100 करोड़ की भारी-भरकम राशि उपलब्ध कराई है। इस बजट से विभाग बहुमंजिला इमारतों के लिए आधुनिक फायर फाइटिंग उपकरण, विशेष हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और अन्य जरूरी हाई-टेक संसाधन खरीद रहा है, ताकि संकरी जगहों और ऊंची इमारतों में भी राहत कार्य बिना किसी बाधा के चलाया जा सके।

जीडीए की जनता से अपील: इन 6 बातों का रखें खास ध्यान

प्राधिकरण ने आम नागरिकों, बिल्डरों और आरडब्ल्यूए से अपील की है कि वे दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें:

रास्ते रखें साफ: फायर ड्राइव-वे, खुले क्षेत्रों और आपातकालीन निकास मार्गों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण या पार्किंग न करें, इन्हें पूरी तरह खाली रखें।

नियमित मेंटेनेंस: अग्निशमन उपकरणों, फायर अलार्म और हाइड्रेंट सिस्टम की हर महीने जांच कराएं।

फायर एनओसी का **नवीनीकरण:** समय रहते फायर एनओसी को रिन्यू कराएं और उसकी वैधता बनाए रखें।

अवैध निर्माण से बचें: स्वीकृत मानचित्र (सेंक्शंड मैप) के विपरीत जाकर कोई भी निर्माण या अतिक्रमण न करें।

ट्रेन्ड स्टाफ: प्रत्येक बड़े परिसर और सोसाइटी में प्रशिक्षित फायर सेफ्टी स्टाफ और आपातकालीन रिस्पॉन्स टीम तैनात होनी चाहिए।

नियमित मॉक ड्रिल: सोसायटियों और कार्यालयों में समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाए, ताकि आपदा के समय लोग जागरूक रह सकें।

जीडीए का संदेश: "अग्नि सुरक्षा केवल एक कागजी मानक नहीं, बल्कि आम जनजीवन की सुरक्षा का मुख्य आधार है। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ आने वाले दिनों में यह अभियान और ज्यादा आक्रामक और कठोर होगा।"

ट्रोले ने यात्रियों को रौंदा, मासूम बच्ची समेत दो की मौत, सात गंभीर घायल, तीन मेरठ रेफर

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजमार्ग-335ए पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में सोना पेट्रोल पंप के निकट हुआ, जहां एक अनियंत्रित ट्रोला डिवाइडर के पास खड़े यात्रियों पर चढ़ गया। जानकारी के अनुसार सोहराब गेट डिपो की रोडवेज बस गोंडा से दिल्ली जा रही थी। रास्ते में बस में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण चालक ने बस को हाईवे किनारे रोक दिया। यात्री दूसरी बस का

इंतजार करते हुए डिवाइडर के पास खड़े थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रोले ने नियंत्रण खो दिया और यात्रियों को कुचलते हुए आगे निकल गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और हाईवे पर अफरा-तफरी फैल गई। घटना में सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से तीन को मेरठ रेफर किया गया। हादसे में बरगामा थाना पिसावा जनपद सीतापुर निवासी मीरा की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि नायरा नामक मासूम बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू कराई गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

धौलाना पुलिस ने छह शातिर दबोचे, चोरी की चार बाइक बरामद

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना धौलाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के छह शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी धौलाना मुनीश चंद्र ने बताया कि जनपद में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रावली पुल के निकट चेकिंग के दौरान गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की

पहचान पुष्पेंद्र, अभिषेक, वाहिद, आदिल, आस मोहम्मद तथा शादाब के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन चोरी की कई घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार आरोपी एनसीआर क्षेत्र और आसपास के जनपदों से दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेच देते थे। गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त कर आर्थिक लाभ अर्जित कर रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार बाइक बरामद कर ली हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में वकीलों और बैनामा लेखकों का प्रदर्शन जारी, कांग्रेस ने दिया समर्थन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बैनामा की ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में तहसील परिसर में बैनामा लेखक एवं अधिवक्ताओं का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने थालियां बजाकर विरोध जताया और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर में जुलूस निकाला। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने भी आंदोलन स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। बैनामा लेखक संघ के बैनर तले बैनामा लेखक पिछले 11 दिनों से तहसील परिसर में धरने पर बैठे हैं। आंदोलन के चलते इस अवधि में तहसील में कोई भी बैनामा नहीं हो सका है। वहीं, बार एसोसिएशन मोदीनगर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार न्यायालयों के कार्य का बहिष्कार करते हुए प्रदर्शन किया। वकीलों ने थालियां बजाकर पूरे तहसील परिसर में जुलूस निकाला और ई-पंजीकरण व्यवस्था को वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। उनका आरोप है कि नई व्यवस्था से आम लोगों के साथ-साथ बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच कांग्रेस नेता सुनील शर्मा और बृजेश सेन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता भी धरनास्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत बैनामा लेखकों एवं अधिवक्ताओं को समर्थन दिया। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से ई-पंजीकरण व्यवस्था समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर संबंधित पक्षों की बात सुनी जानी चाहिए। इस अवसर पर चांदवीर चौधरी, राकेश सोनी, फरमान, अभिनव शर्मा, पुष्पेंद्र दहिया सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वेव सिटी पुलिस ने एक वाहन चोर को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना वेव सिटी पुलिस ने वाहन चोरी करने के आरोप में एक अभियुक्त फुरकान को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने फुरकान की निशानदेही पर चोरी की 3 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी, 4 मोबाइल फोन व 120 की-पैड फोन बॉडी बरामद की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि एक अभियुक्त को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। अभी उसके पास से भारी मात्रा में चोरी के वाहन बरामद किए गए है। इसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ लगभग एक दर्जन अपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह अपने शौक पूरे करने के लिए चोरी का काम करता है। उसके कब्जे से बरामद वहान व अन्य सामान उसने विभिन्न जगहों से चोरी किए हैं।

जिले में 30 कोचिंग व लाइब्रेरी सेंटरों पर छापेमारी, 5 संस्थान सील, फायर एनओसी नहीं मिली

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला प्रशासन और पुलिस ने मंगलवार को बिना मानकों के संचालित कोचिंग सेंटरों एवं लाइब्रेरी के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाते हुए हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना तहसील क्षेत्रों में 30 संस्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों और आवश्यक दस्तावेजों में गंभीर खामियां मिलने पर पांच संस्थानों को सील कर दिया गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान हापुड़ नगर क्षेत्र के दो तथा गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के तीन कोचिंग सेंटर एवं लाइब्रेरी को सील किया गया। इनमें दिशा लाइब्रेरी, वर्धमान कंप्यूटर सेंटर और एजुकेशन इरा लाइब्रेरी प्रमुख रूप से शामिल हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से संचालकों में हड़कंप मच गया। हापुड़ देहात क्षेत्र के स्वर्ग आश्रम रोड स्थित वर्धमान कोचिंग एंड कंप्यूटर सेंटर में फायर विभाग की एनओसी तथा अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। इसके बाद दमकल एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने संस्थान को सील कर दिया। अभियान के दौरान विजय लाइब्रेरी, सरस्वती लाइब्रेरी, अमेरिकन कोचिंग सेंटर भगवतीगंज, खुशी कंप्यूटर सेंटर तथा संध्या कंप्यूटर कोचिंग सेंटर की भी जांच की गई। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में सर माउंट कोचिंग सेंटर, स्पर्श कोचिंग सेंटर, अंबिका एजुकेशन पॉइंट, ओरिजिन अकादमी, विद्या लाइब्रेरी, लक्ष्य डिजिटल लाइब्रेरी, तश्वी लाइब्रेरी, विजडम लाइब्रेरी

और राधे लाइब्रेरी सहित कई संस्थानों का निरीक्षण किया गया। पिलखुवा एवं धौलाना क्षेत्र में भी विभिन्न कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी की जांच कर आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी कोचिंग सेंटरों व लाइब्रेरी संचालकों को निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। अनियमितता मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि जनपद में सौ से अधिक कोचिंग एवं लाइब्रेरी संचालित हैं, जिनमें से अधिकांश में केवल अग्निशमन सिलेंडर लगे हैं, जबकि फायर फाइटिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर, स्मोक डिटेक्टर, अलार्म सिस्टम और इमरजेंसी निकास जैसी व्यवस्थाओं का अभाव है। कई संस्थानों के पास फायर विभाग की एनओसी भी नहीं है।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त, ऑटो-ई रिक्शा के रूट होंगे तय, सात दिन में भरेंगे सड़क के गड्ढे

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर जिलाधिकारी कविता मीना ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर 15 दिन के भीतर सुधारात्मक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में गत माह हुई सड़क दुर्घटनाओं, मृतकों और घायलों के आंकड़ों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पुलिस एवं परिवहन विभाग को ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वाहन संचालन, गलत दिशा में ड्राइविंग तथा ओवरलोडिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल वाहनों की फिटनेस जांच तथा चालकों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से

कराया जाए। लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई और नगर निकायों को सड़क संकेतक, रंबल स्ट्रिप, कैट आई, क्रैश बैरियर और सोलर ब्लिंकर लगाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट किया कि जनपद की सभी सड़कों के गड्ढे सात दिन के भीतर भरे जाएं और अतिक्रमण हटाकर फुटपाथ खाली कराए जाएं। गोल्डन आवर में घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने तथा सभी एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, सीएचसी और पीएचसी पर जीवनरक्षक दवाएं 24 घंटे उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए गए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को शहर में ऑटो और ई-रिक्शा के रूट निर्धारित करने, बिना परमिट एवं बिना लाइसेंस चल रहे वाहनों पर कार्रवाई करने तथा व्यावसायिक वाहनों में स्पीड गवर्नर और जीपीएस सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

विजय नगर में जलसंकट से लोगों को मिलेगी राहत, नगर निगम ने गंगा जल आपूर्ति की शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विजयनगर के लोगों को जलसंकट की समस्या से राहत मिलने वाले है। नगर निगम ने 15वें वित्त आयोग के फंड से गंगा जल आपूर्ति का कार्य शुरू कर दिया है। इस कार्य से विजय नगर के 10 वार्डो में सप्लाई जाएगी, जिसके लिए 16 करोड़ 20 लाख की लागत आएगी। मंगलवार को गंगाजल आपूर्ति का शुभारंभ महापौर सुनीता दयाल, शहर विधायक संजीव शर्मा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पार्षदगणों की मौजूदगी में पूजा अर्चना करके किया। विधायक संजीव शर्मा ने शासन की योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लाने के लिए क्षेत्रवासियों को श्रेय दिया व शुभकामनाएं दी गई। महापौर सुनीता दयाल ने शहर के विकास कार्यों के साथ-साथ विजयनगर के विकास कार्यों में भी रफ्तार और वृद्धि लाने के लिए पार्षदों का विशेष सहयोग बताया। गंगाजल की आपूर्ति 10 वार्डों में हो रही है। उन्होंने उपस्थित

पार्षदों की कड़ी मेहनत पर सफलता प्राप्त होने की शुभकामनाएं दी। साथ ही प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह योजना नोएडा और खोड़ा से पहले विजय नगर में शुरू हुई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि 15 वित आयोग से प्राप्त धनराशि 16 करोड़ 20 लाख की लागत से विजयनगर क्षेत्र वासियों को गंगाजल की आपूर्ति का शुभारंभ किया गया है। महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि वार्ड संख्या 3 ओल्ड विजयानगर, वार्ड संख्या 4 सेक्टर 12 माता कॉलोनी, वार्ड संख्या 14 न्यू विजय नगर, वार्ड संख्या 15 चरण सिंह कॉलोनी, वार्ड संख्या 25 अंबेडकर नगर, वार्ड संख्या 26 माधोपुर सुंदरपुरी, वार्ड संख्या 48 मिजार्पुर, वार्ड संख्या 51 प्रताप विहार सेक्टर 11, वार्ड संख्या 55 विजयनगर सेक्टर 11 ए ब्लॉक, वार्ड संख्या 58 शिवपुरी क्षेत्र में गंगाजल आपूर्ति का कार्य पूर्ण करते हुए गंगाजल आपूर्ति का शुभारंभ हुआ है। कार्यक्रम के अंत में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा उपस्थित जनों का धन्यवाद किया गया।

ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखक संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित फ्रंट कार्यालय एवं ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखक संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय हाईकोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति, मेरठ द्वारा 22 जून को जारी निदेर्शों के क्रम में लिया गया है। मंगलवार को शामली तहसील स्थित उपनिबंधक कार्यालय में अधिवक्ताओं का धरना-प्रदर्शन लगातार जारी रहा। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि अधिवक्ताओं, डीड राइटर्स तथा स्टांप विक्रेताओं सहित सभी संबंधित लोगों ने आपसी सहमति से उपनिबंधक कार्यालय की तालाबंदी करने का निर्णय लिया है। निर्णय के तहत रजिस्ट्री से जुड़े सभी कार्य अनिश्चितकाल के लिए पूरी तरह बंद रहेंगे। दस्तावेज लेखक संघ का कहना है कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। हड़ताल के दौरान उपनिबंधक कार्यालय में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री अथवा उससे संबंधित प्रक्रिया नहीं की जाएगी। संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय होने तक आंदोलन और हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के चलते आमजन को रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस अवसर पर बिजेन्द्र सिंह एडवोकेट, रामकुमार वर्मा, प्रताप राठौर, प्रदीप पंवार, मुकेश गर्ग, जगत प्रसाद कौशिक, सत्यप्रकाश सहित अन्य अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक मौजूद रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दिमागी बुखार की रोकथाम को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी अभियान की तैयारियों, विभागीय समन्वय और जनजागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का द्वितीय चरण 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जबकि दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों का समयबद्ध, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण

संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने दिमागी बुखार की रोकथाम को प्राथमिकता देते हुए बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करने, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही संदिग्ध रोगियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें तत्काल चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूलों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं और बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित सभी खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने अपने विभागों की कार्ययोजना भी प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आभास ने साबित की श्रेष्ठता

लखनऊ , एजेंसी। कर्नल एसएन मिश्रा ओबीई मेमोरियल स्कूल में लखनऊ क्लासिकल ओपन शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का खिताब आभास कुमार श्रीवास्तव ने अपने नाम किया। उन्होंने कुल 6.5 अंक अर्जित कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंतिम चक्र में आभास ने अभिनव कीर्ति के साथ अपनी बाजी ड्रॉ खेली। दूसरे स्थान के लिए अभिनव कीर्ति और पार्थ गुप्ता के बीच 6-6 अंकों पर बराबरी रही। टाई-ब्रेक के आधार पर अभिनव कीर्ति को द्वितीय स्थान प्रदान किया गया। पार्थ गुप्ता को तृतीय स्थान पर संतोष करना पड़ा। पवन बाथम ने 5.5 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। आकाश त्रिपाठी ने भी 5.5 अंक अर्जित कर पांचवां स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों एवं विशेष श्रेणियों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वेटरन वर्ग में के. एम. शुक्ला विजेता बने। महिला वर्ग का खिताब संस्कृति यादव ने अपने नाम किया। अंडर-15 वर्ग में शुभ श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की। अंडर-13 वर्ग में कुनाल कुमार विजेता रहे। अक्षत श्रीवास्तव ने अंडर-11 वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-9 वर्ग में अव्याना ने खिताब कब्जाया।

आठवें वेतन आयोग से बाहर रहेंगे शिक्षक और बिजली कर्मी?

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के दौरे पर आए आठवें वेतन आयोग के दल की ओर से बातचीत के लिए न बुलाए जाने पर राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों और बिजली कर्मियों के संगठनों ने विरोध जताया है। प्रेस क्लब में रविवार को पत्रकारों से बातचीत में ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने इसे भेदभावपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोग अखिल भारतीय सेवा के कार्मिकों से वार्ता कर रहा है, लेकिन राज्य कर्मचारियों को अवसर नहीं दे रहा। दुबे ने बताया कि वेतन आयोग की सिफारिशों का वित्तीय भार राज्यों पर पड़ता है। इसलिए राज्य कर्मियों का पक्ष सुने बिना न्यायपूर्ण रिपोर्ट संभव नहीं। यूपी में पांचवें वेतन आयोग के बाद से राज्य कर्मियों का वेतन केंद्र के आयोगों की संस्तुतियों पर आधारित है। राज्य में वेतन पुनरीक्षण के लिए कोई अलग आयोग नहीं बना। आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियों का सीधा असर लाखों कर्मचारियों पर पड़ेगा। उन्होंने आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों की स्थिति पर भी विचार की मांग की। संयुक्त प्रेस वार्ता में संगठनों ने आठवें वेतन आयोग के अध्यक्ष को संयुक्त ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया। वे दिल्ली में आयोग के अध्यक्ष से भेंट कर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे। कर्मचारी संगठनों ने तत्काल वार्ता का समय देने की मांग की। यह आवश्यक है ताकि इन कर्मचारियों की समस्याएं आयोग के समक्ष रखी जा सकें।

महेश नवमी पर माहेश्वरी समाज ने किया रक्तदान

लखनऊ , एजेंसी। ट्रांसगोमती माहेश्वरी समाज की ओर से महेश नवमी के उपलक्ष्य में रविवार को सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। समाज के अध्यक्ष संजीव माहेश्वरी ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत गोमती नगर स्थित माहेश्वरी सत्संग भवन में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. आलोक माहेश्वरी, डॉ. निशा माहेश्वरी, डॉ. शिल्पी माहेश्वरी और डॉ. पुनीत माहेश्वरी के नेतृत्व में 75 लोगों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श और दवाएं वितरित की गईं। इसके बाद समाज के 11 सदस्यों ने डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में रक्तदान किया और 150 मरीजों को फल और बिस्किट वितरित किए। संजीव माहेश्वरी, विकास माहेश्वरी, गिरधारी लाल सोमानी, विनय माहेश्वरी, अंशु माहेश्वरी, अनुराग माहेश्वरी, दीपक बल्दुआ, विनय कुमार, अजय माहेश्वरी, मनोज माहेश्वरी ने रक्तदान किया।

चंपत राय के करीबी सहित पांच पर होगी एफआईआर,

गोपाल राव के कर्नाटक जाने से उठे सवाल

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर दान विवाद प्रकरण में एसआईटी जांच के आधार पर पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर चंपत राय के करीबी माने जाने वाले टिन्नू यादव, लवकुश व अनुकल्प जिनके यहां नकदी बरामद हुई है सहित पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की प्रबल संभावना जताई जा रही है।

पांचों से एसआईटी ने पहले चरण में करीब 20 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की है। अधिकांश सवालों का जवाब इनके पास नहीं है। गोलमाल जवाब देकर ये घिरते जा रहे हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय एसआईटी की रिपोर्ट और शासन स्तर पर समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा।

गोपाल राव के कर्नाटक जाने की चर्चा : राम मंदिर में एसआईटी जांच के बीच मंदिर निर्माण सहायक गोपाल राव के रविवार को कर्नाटक जाने की चर्चा जोरों पर रही। बताया गया कि वे सुबह विमान से कर्नाटक गए और वहां एक कार्यक्रम में शामिल हुए। वे जिस कार्यक्रम में शामिल हुए उसमें संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य अतिथि के रूप में थे। एसआईटी की टीम प्रारंभिक जांच पूरी कर लखनऊ रवाना हो चुकी है। चर्चा थी कि जिनसे पूछताछ की जा रही है उनके अयोध्या से बाहर जाने पर रोक लगाई गई थी। इस रोक के बीच कर्नाटक के एक कार्यक्रम में गोपाल राव की मौजूदगी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

140 पन्नों में समाहित है प्रारंभिक रिपोर्ट : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र से जुड़े कथित गबन प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी शनिवार देर रात अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट लगभग 140 पन्नों की तैयार की गई है, जिसमें मामले से जुड़े विभिन्न तथ्यों और साक्ष्यों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। जांच से जुड़े सूत्रों का दावा है कि रिपोर्ट के आधार पर कई लोगों पर कार्रवाई की गाज गिर सकती है। दानपात्र मामले में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर कुछ सेवादारों की सेवाएं समाप्त किए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

बढ़ सकती है एसआईटी जांच की अवधि : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में गबन और अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) अपनी प्रारंभिक जांच लगभग पूरी कर चुकी है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी सोमवार को सुबह अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंप सकती है। साथ ही जांच के दौरान सामने आए नए तथ्यों और लगातार बढ़ते दायरे को

देखते हुए एसआईटी जांच अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव भी शासन के समक्ष रख सकती है। पहले सात दिन में प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिन में दूध का दूध पानी का पानी करने का एलान है। हालांकि, जांच के दौरान कई वित्तीय अभिलेख, सीसीटीवी फुटेज, नियुक्तियों से जुड़े दस्तावेज और मंदिर की व्यवस्थाओं से संबंधित बिंदु भी जांच के दायरे में आ गए हैं। ऐसे में टीम को कुछ और समय मिलने की संभावना जताई जा रही है। प्रारंभिक छह दिनों में ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों, कर्मचारियों और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई है। इसके अलावा दस्तावेजी साक्ष्यों का भी गहन परीक्षण किया गया है। माना जा रहा है कि प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर सरकार आगे की कार्रवाई को लेकर निर्णय लेगी।

राम मंदिर जैसे अत्यंत संवेदनशील और राष्ट्रीय आस्था से जुड़े विषय को देखते हुए प्रदेश सरकार पूरे प्रकरण पर करीबी नजर बनाए हुए है। माना जा रहा है कि एसआईटी की रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा मंदिर की वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नए कदम उठाए जा सकते हैं।

गोपाल का हटना तय, अन्य पदाधिकारियों पर भी नजर

राम मंदिर में निर्माण सहायक के रूप में 2022 से सेवा दे रहे गोपाल राव को हटाए जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। गोपाल राव राम मंदिर ट्रस्ट में किसी पद पर नहीं हैं, लेकिन मंदिर की व्यवस्थाओं में उनका पूरा दखल है। अब चूंकि मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, इसलिए उनकी छुट्टी की जा सकती है। वहीं जांच के निष्कर्षों और बढ़ते विवाद के बीच वरिष्ठ पदाधिकारी राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्र भी अगले कुछ महीनों में स्वास्थ्य आदि का हवाला देकर स्वयं को व्यवस्थाओं से अलग कर सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

चोरी से लेकर लापरवाही, केंद्र सरकार ने किया था ट्रस्ट का गठन, पीएमओ भी भेजी गोपनीय रिपोर्ट

लखनऊ , एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण में अब कार्रवाई को लेकर लखनऊ से दिल्ली तक मंथन जारी है। एसआईटी की जांच में ट्रस्ट के कई बड़े पदाधिकारियों तक जांच की आंच पहुंची है। वहीं दूसरी तरफ आपराधिक कृत्य में गणनाकर्मी समेत करीब तीस लोगों की भूमिका सामने आई है। किस पर क्या और किस तरह की कार्रवाई की जानी है, अब इसको लेकर चर्चा जारी है। इसमें पीएमओ के निर्देशों का इंतजार है

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा राशि से जुड़े गबन और अनियमितताओं के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक जांच पूरी हो चुकी है। इस जांच की रिपोर्ट अब शासन को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। सूत्रों के अनुसार, इस प्रकरण में राम मंदिर ट्रस्ट के कई बड़े पदाधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिससे जांच की आंच लखनऊ से लेकर दिल्ली तक पहुंच गई है।

एसआईटी की जांच में न केवल गणनाकर्मी बल्कि ट्रस्ट के करीब तीस लोगों की संलिप्तता सामने आई है। प्रारंभिक पूछताछ में कई सवालों के संतोषजनक जवाब न मिलने और गोलमाल जवाब देने के कारण टिन्नू यादव, लवकुश और अनुकल्प जैसे व्यक्तियों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। इन लोगों के यहां से नकदी बरामद होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। एसआईटी ने इन पांचों से करीब 20 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की है।

मामले में एफआईआर दर्ज करने की तैयारी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर चंपत राय के करीबी माने जाने वाले टिन्नू यादव, लवकुश और अनुकल्प सहित पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की प्रबल संभावना है। हालांकि, अंतिम निर्णय एसआईटी की रिपोर्ट और शासन स्तर पर समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा। इस पूरे मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के निर्देशों का भी इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। पीएमओ से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार ही आगे की कार्रवाई और ट्रस्ट के पुनर्गठन पर निर्णय लिया जाएगा।

संभावित कार्रवाई- सूत्रों के अनुसार, एक-दो दिन के भीतर कार्रवाई शुरू हो सकती है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही है। यह पूरा घटनाक्रम राम मंदिर जैसे संवेदनशील मामले से जुड़ा होने के कारण, इसमें अत्यधिक सावधानी बरती जा रही है और लखनऊ से दिल्ली तक उच्च स्तर पर मंथन जारी है।

एक गोपनीय रिपोर्ट पीएमओ भी भेजी गई- जब से मामले ने तूल पकड़ा है, तब से पीएमओ की नजर इस पर बनी हुई है। यहां तक कि पीएमओ के कई अधिकारी खुद मंदिर पहुंचकर छानबीन कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक इन अफसरों ने भी एक गोपनीय जांच रिपोर्ट तैयार की है, जिसे पीएमओ भेजा गया है। इसमें भी हेरफेर से लेकर ट्रस्ट के पदाधिकारियों की लापरवाही व कुछ की भूमिका संदिग्ध होने की बात कही गई है। यही वजह है कि मामले में बड़ी कार्रवाई भी संभव है। एसआईटी और पीएमओ की टीम ने कई लोगों के बयान लिए। ये वो लोग थे जो ट्रस्ट पदाधिकारियों पर आरोप लगा रहे थे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद हापुड़ में प्रशासन सख्त, बिना एनओसी संचालित 3 लाइब्रेरी व कोचिंग सेंटर सील, जांच शुरू

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जनपद हापुड़ में प्रशासन ने सुरक्षा मानकों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र में बिना एनओसी एवं निर्धारित मानकों के विरुद्ध संचालित हो रहे तीन लाइब्रेरी एवं कोचिंग सेंटरों पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया।

एसडीएम श्रीराम यादव और क्षेत्राधिकारी राहुल यादव ने थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव तथा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में संचालित विभिन्न कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा मानकों और आवश्यक अनुमति संबंधी गंभीर खामियां पाई गईं। कार्रवाई के दौरान बिना एनओसी एवं निर्धारित नियमों का पालन किए संचालित तीन लाइब्रेरी एवं कोचिंग सेंटरों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने बताया कि संबंधित संस्थानों के दस्तावेजों और संचालन व्यवस्था की जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। क्षेत्र में चल रहे अन्य कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी की भी जांच की जा रही है, जिससे सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जा

भाषा विवि में 139 रिक्त सीटों पर प्रवेश का अवसर

लखनऊ , एजेंसी। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्नातक और विधि पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए सूचना जारी की है। अभ्यर्थियों को संशोधित प्रतीक्षा सूची और कॉमन सूची के आधार पर यह अवसर मिलेगा। कुल 139 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

विवि के प्रवेश समन्वयक सौवान सईद ने बताया कि बीकॉम., बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी), बीए एलएलबी. और एलएलबी. पाठ्यक्रमों में ये सीटें उपलब्ध हैं। बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी) और बीकॉम की संशोधित प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को 23 जून को रिपोर्ट करना होगा।

बीए एलएलबी और एलएलबी की 19 जून को प्रकाशित कॉमन सूची के अभ्यर्थियों को भी इसी दिन दोपहर एक बजे तक कक्ष संख्या 245 में उपस्थित होना है। काउंसिलिंग के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। बीकॉम

में सामान्य वर्ग की छह, अन्य पिछड़ा वर्ग की नौ, अनुसूचित जाति/जनजाति की चार और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की पांच सीटें रिक्त हैं।

बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में सामान्य वर्ग की 22, ओबीसी की 15, एससी/एसटी की 10 और ईडब्ल्यूएस की पांच सीटें उपलब्ध हैं। बीए एलएलबी में सामान्य वर्ग की 15, ओबीसी की सात, एससी/एसटी की चार और ईडब्ल्यूएस की पांच सीटें खाली हैं। एलएलबी में सामान्य वर्ग की 11, ओबीसी की आठ, एससी/एसटी की सात और ईडब्ल्यूएस की छह सीटें हैं।

सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग में गोविंद एसएस, लीथल-11 सहित कई टीमों ने दर्ज की जीत

लखनऊ , एजेंसी। सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। इंटर-स्कूल और इंटर-स्पोर्ट्स क्लब प्रतियोगिताओं में टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। कई टीमों ने जीत दर्ज की, वहीं कुछ को प्रतिद्वंद्वी के मैदान पर न आने के कारण विजेता घोषित किया गया।

इंटर-स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच संख्या-23 में गोविंद एसएस इंटर कॉलेज ने नेशनल पब्लिक स्कूल को सात विकेट से हराया। शांतनु को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इंटर-स्कूल मैच संख्या-24 में राजकीय बाल शिक्षा निकेतन की टीम समय पर नहीं पहुंची। इसके चलते सेंट फ्रांसिस स्कूल को नियमों के अनुसार विजेता घोषित किया गया। इंटर-स्पोर्ट्स क्लब मुकाबलों में लीथल-11 क्रिकेट क्लब ने मानस नगर क्रिकेट क्लब को आठ विकेट से पराजित किया। शशि सिंह ने 29 रन, दो विकेट, दो कैच और एक रन आउट के साथ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। पीजीआई मौलवी खेड़ा क्रिकेट क्लब को भी प्रतिद्वंद्वी के मैदान पर न आने के कारण विजेता घोषित किया गया।

प्रोजेक्ट सक्षम के तहत दिव्यांग पुत्री और वृद्ध मां को मिला रोजगार का सहारा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) जिला प्रशासन गाजियाबाद और नीव शक्ति संस्था द्वारा संचालित प्रोजेक्ट सक्षम के अंतर्गत मंगलवार को एक जरूरतमंद वृद्ध महिला और उनकी दिव्यांग पुत्री को स्वरोजगार के लिए रोजगार केंद्र (कियोस्क) उपलब्ध कराया गया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और दिव्यांगजन परिवारों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना है।

यह पहल जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। रोजगार केंद्र मिलने से लाभार्थी परिवार को नियमित आय का साधन उपलब्ध होगा, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकेंगे और समाज में सम्मान के साथ जीवनयापन कर सकेंगे। नीव शक्ति संस्था के अनुसार प्रोजेक्ट सक्षम का लक्ष्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे अवसर उपलब्ध कराना है, जिनके माध्यम से जरूरतमंद लोग अपनी क्षमता और मेहनत के बल पर आत्मनिर्भर बन सकें। संस्था का मानना है कि सही अवसर मिलने पर दिव्यांगजन और कमजोर वर्ग के लोग भी समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकते हैं।

संस्था ने बताया कि रोजगार केंद्र लाभार्थियों के लिए आय का स्थायी स्रोत बनने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा। इससे वे दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने पैरों पर खड़े होकर जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। इस अवसर पर संस्था की ओर से कहा गया कि सहायता से अधिक महत्वपूर्ण अवसर हैं, क्योंकि अवसर मिलने पर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के बल पर स्वयं पहचान बना लेता है। संस्था ने इस पहल को सफल बनाने में सहयोग देने वाले जिला प्रशासन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद विकास तथा अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला शिक्षक संघ ने डीएम, सीडीओ और बीएसए को सौंपा मांग पत्र

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ जनपद इकाई शामली के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिलाध्यक्ष डॉ. पूनम तोमर के नेतृत्व में जनपद के नवनियुक्त जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी से शिष्टाचार भेंट कर शिक्षा व्यवस्था और महिला शिक्षिकाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मांग-पत्र सौंपा। इस दौरान जिलाध्यक्ष डॉ. पूनम तोमर ने कहा कि जनपद में पूर्व अधिकारियों के कार्यकाल में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं और नए अधिकारियों के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षा, महिला सुरक्षा तथा सुशासन के क्षेत्र में और बेहतर परिणाम सामने आने की उम्मीद है। संघ द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए मांग-पत्र में जर्जर विद्यालय भवनों के ध्वस्तीकरण, नए कक्षों के निर्माण के लिए बजट उपलब्ध कराने,

विद्यालयों की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई। इसके साथ ही जिला शिक्षा समिति की बैठकों में संगठन की सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष विद्यालयों की क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवालों के निर्माण, विद्यालय परिसरों में जलभराव की समस्या के समाधान तथा महिला शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित कराने का प्रस्ताव रखा गया।

वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में मानव संपदा पोर्टल पर चाइल्ड केयर लीव, मातृत्व अवकाश एवं चिकित्सा अवकाश से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण, अवकाश उपरांत वेतन बहाली तथा स्थानांतरण एवं समायोजन प्रक्रिया में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने नई शिक्षा नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ब्लॉक, न्याय पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर खेलकूद समितियों के गठन तथा नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था शुरू किए जाने का सुझाव भी दिया।

इस अवसर पर डॉ. पूनम तोमर, नीरू नैन, शाइस्ता परवीन, प्रिया शर्मा, नीलम मलिक, अलका बंसल, सलूजा मलिक, कल्पना चौधरी, संगीता सिंह, अलका मलिक सहित संघ की अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, ए आर कोऑपरेटिव उप महा प्रबंधक इफ्को एवं कृभको, जिला प्रबंधक पीसीएफ, सचिव गन्ना समिति मोदीनगर तथा जनपद के थोक विक्रेताओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में सर्वप्रथम गाजियाबाद में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की गई। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों तथा उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि जनपद के सभी क्षेत्रों

में उर्वरकों की निरंतर उपलब्धता बनाई रखी जाए। अनुदानित उर्वरकों की बिक्री शत प्रतिशत पोस मशीन के माध्यम से की जाए। किसानों को उर्वरकों की बिक्री जोत के अनुसार फसलों में संस्तुत मात्रा के अनुसार की जाए साथ ही नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के फसलों में प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने हेतु कृषकों में प्रचार प्रसार किया जाए। साधन सहकारी समिति/गन्ना समितियों पर किसानों को बैठने की पर्याप्त सुविधाएं तथा पीने के लिए स्वच्छ ताजा पानी का प्रबंध किया जाए। सहकारी समितियों पर प्रतिदिन की जाने वाली बिक्री का पोर्टल पर निगरानी की जाए। किसी भी उर्वरक विक्रेता के द्वारा उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी, ओवर रेटिंग, तथा अन्य उर्वरक उत्पादों की टेकिंग न की जाए। जनपद में अवस्थित सहकारी एवं निजी बिक्री केंद्रों का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर उर्वरक स्टॉक का सत्यापन किया जाए। उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी ओवर रेटिंग तथा अन्य उर्वरकों की टैगिंग करने वाले उर्वरक विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में व्यापारिक गतिविधियों को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लेकर व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण, यातायात जाम, पार्किंग की कमी, सड़कों की खराब स्थिति, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, जल निकासी, बरसात के दौरान जलभराव तथा सुरक्षा व्यवस्था जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी सहित जनपद के प्रमुख बाजारों में व्यापारिक गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किए जाने की मांग रखी।

जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्रों में नियमित विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए, जिससे व्यापारियों, ग्राहकों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित विभागों को स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश भी दिए। बैठक में व्यापारिक संगठनों की ओर से विभिन्न विकासात्मक एवं जनसुविधा संबंधी सुझाव भी प्रस्तुत किए गए, जिन पर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि व्यापारियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखा जाए तथा प्राप्त शिकायतों और सुझावों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि व्यापारिक वातावरण को और अधिक अनुकूल बनाया जा सके। बैठक का संचालन डिप्टी कमिश्नर (प्रशासन) राज्य कर विभाग अजीत कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी जीएसटी वीरेंद्र चंद्र, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तिलपता आरओबी खुलने से 130 मीटर रोड पर सफर हुआ आसान, ग्रेनो-ग्रेनो वेस्ट कनेक्टिविटी को मिली मजबूती

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के बीच आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। तिलपता गोलचक्कर से मकौड़ा गोलचक्कर तक पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट के पास निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को मंगलवार से वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। इससे 130 मीटर रोड पर यातायात सुगम हो गया है और लंबे समय से बनी जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

करीब 1600 मीटर लंबे और चार लेन वाले इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) द्वारा कराया गया है। आरओबी के नीचे से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की रेलवे लाइन गुजर रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लगातार इस परियोजना को जल्द पूरा कराने के प्रयास में जुटा था। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार ने भी इसके निर्माण को समय पर पूरा कराने के लिए विशेष रुचि दिखाई।

अब तक 130 मीटर रोड पर वाहनों का अत्यधिक दबाव होने के कारण अंडरपास क्षेत्र में अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी। बरसात के दौरान यह समस्या और गंभीर हो जाती थी। आरओबी शुरू होने के बाद ग्रेटर नोएडा से ग्रेनो वेस्ट, नोएडा, दिल्ली और गाजियाबाद के बीच यात्रा अधिक सुगम हो जाएगी। साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

तिलपता गोलचक्कर पर बनेगा यूटर्न

यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए तिलपता गोलचक्कर के दोनों ओर 130 मीटर रोड पर यूटर्न बनाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। परियोजना के तहत तिलपता गोलचक्कर से पहले और बाद में दोनों दिशाओं में यूटर्न का निर्माण कराया जाएगा।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया लगभग एक माह में पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके निर्माण में तीन से चार माह का समय लगने का अनुमान है। परियोजना का दायित्व वर्क सर्किल-7 को सौंपा गया है। एसीईओ सुमित यादव ने संबंधित अधिकारियों को कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

प्राधिकरण का कहना है कि 130 मीटर रोड ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के बीच प्रमुख संपर्क मार्ग है तथा नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए भी महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल है। सड़क चौड़ीकरण और नए यूटर्न बनने से तिलपता चौराहे पर यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को अधिक सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

ई-रजिस्ट्री के विरोध में नगीना में रेवेन्यू अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों की हड़ताल 10वें दिन भी जारी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में रेवेन्यू अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखक संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को 10वें दिन भी जारी रही। हड़ताल के चलते रजिस्ट्री कार्यालय में कामकाज पूरी तरह ठप रहा, जिससे बैनामा कराने के लिए दूर-दराज से पहुंचे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरदयाल सिंह सोढ़ी और महासचिव डॉ. फूल सिंह चौधरी ने सब रजिस्ट्रार पर आंदोलन को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि सब रजिस्ट्रार दिनेश कुमार ने एक पत्र का हवाला देकर रेवेन्यू बार के अधिवक्ताओं के मोबाइल फोन पर हड़ताल समाप्त होने संबंधी भ्रामक पोस्ट वायरल करवा दी, जिससे आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास किया गया।

पदाधिकारियों ने इस कार्रवाई को हड़ताल तुड़वाने की असफल कोशिश बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। भ्रामक पोस्ट वायरल होने के बाद मंगलवार सुबह रेवेन्यू बार के अध्यक्ष और महासचिव ने सब रजिस्ट्रार दिनेश कुमार से मुलाकात कर इस मामले पर आपत्ति दर्ज कराई।

वार्ता के दौरान बार पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में यदि इस प्रकार की कोई भ्रामक सूचना या पोस्ट प्रसारित की गई तो यूनियन उनके खिलाफ कड़ा और निर्णायक कदम उठाने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि ई-रजिस्ट्री का मुद्दा प्रदेश स्तर की नीति से जुड़ा हुआ है और जब तक प्रांतीय नेतृत्व की ओर से कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक नगीना में हड़ताल और धरना-प्रदर्शन पूरी तरह जारी रहेगा।

हड़ताल के कारण रजिस्ट्री कार्य प्रभावित होने से आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आंदोलनकारी अपनी मांगों को लेकर लगातार डटे हुए हैं।

नगीना सीएचसी में रक्तदान शिविर आयोजित, 31 रक्तवीरों ने किया महादान

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 31 रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी लोगों को स्वास्थ्य केंद्र की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डॉ. विशाल दिवाकर ने बताया कि शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए भागीदारी की। कुल 31 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। डॉ. दिवाकर ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्त की एक यूनिट किसी गंभीर मरीज को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। शिविर को सफल बनाने में प्रभारी एवं लैब टेक्नीशियन पीयूष कुमार की विशेष भूमिका रही। उनके नेतृत्व में मेडिकल टीम ने रक्तदाताओं की जांच, पंजीकरण और रक्त संग्रहण की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित कीं। इस अवसर पर डॉ. सुमित कुमार राव, एलटी नीरज कुमार, स्टाफ नर्स मुकेश देवी, डीईओ विमल, एलए नरेश नरवाल तथा वार्ड ब्वाय चंद्रपाल सैनी, धीरज कुमार और कमल कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया।

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर प्रशासन सख्त, दो कोचिंग संस्थान सील

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जनपद में अग्नि सुरक्षा मानकों और वैध पंजीकरण की जांच के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला प्रशासन ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने 20 कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण अभिलेखों तथा अग्निशमन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान 12 संस्थानों में अग्निशमन व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, जबकि छह संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कमियां मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई। निरीक्षण में सेक्टर-149 स्थित ओम एजुकेशन कोचिंग सेंटर में आवश्यक पंजीकरण और अग्निशमन अनापत्ति प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं मिला, जिसके चलते संस्थान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। इसी तरह सेक्टर-49 स्थित बसु कोचिंग सेंटर भी वैध पंजीकरण के अभाव में सील कर दिया गया। संयुक्त टीम ने सेक्टर-49 के विक्टर कोचिंग सेंटर और सेक्टर-149 के साई विनायक इंस्टीट्यूट ऑफ स्टडीज का भी निरीक्षण किया, जो मौके पर बंद मिले। दोनों संस्थानों को नोटिस जारी कर दो दिनों के भीतर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर उनके विरुद्ध भी सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान सेक्टर-104 स्थित एक होटल और एक गेमिंग जोन को भी अग्निशमन व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की चेतावनी दी गई। प्रशासन के अनुसार अब तक जनपद में होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, अस्पताल और हाईराइज सोसायटियों सहित 116 संस्थानों को कमियां पाए जाने पर नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 56 संस्थानों ने आवश्यक सुधार कर लिए हैं, जबकि 21 संस्थानों के विरुद्ध परिवाद दायर किया गया है और शेष मामलों में कार्रवाई जारी है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध पंजीकरण और सुरक्षा मानकों का पालन किए संचालित संस्थानों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गो संरक्षण के लिए समाज को आगे आने की जरूरत : शंकराचार्य

बिजनौर (शिखर समाचार)। गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को धामपुर पहुंचने पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कालागढ़ रोड स्थित शुभम मंडप में आयोजित सभा में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

सभा को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौवंश का विशेष स्थान है। गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि देशभर में गो संरक्षण को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है और इसी उद्देश्य से गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने लोगों से गो सेवा, गो संरक्षण तथा गौशालाओं के सहयोग के लिए आगे आने का आह्वान किया। शंकराचार्य ने कहा कि गोवंश की सुरक्षा और संवर्धन के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को गोवंश की रक्षा एवं सम्मान के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प भी दिलाया।

कार्यक्रम के दौरान यात्रा में शामिल संत महात्माओं का स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने गो संरक्षण के समर्थन में अपने विचार रखे और गो सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वक्ताओं ने जनजागरूकता बढ़ाने तथा गोवंश संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर रुचि वीरा, यशवीर सिंह, अमित प्रताप सिंह, योगेश रस्तौगी, संयम जैन, रविंद्र राजपूत, नवनीत राणा, व्योमकेश चौहान, उदल सिंह, नसीम राणा, जावेद सईद सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लखनऊ अग्निकांड : गाजियाबाद पुलिस ने विभिन्न इमारत में चलाया फायर एनओसी अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लखनऊ अग्निकांड के बाद गाजियाबाद में पुलिस और दमकल विभाग ने फायर एनओसी अभियान चलाना शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पुलिस टीम ने गाजियाबाद के प्रत्येक इलाके में संचालित कोचिंग, शैक्षिक संस्थान, होटल और रेस्टोरेंट में सुरक्षा मानकों को चेक किया। इतना ही नहीं वहां लगे उपकरणों और संसाधनों की चेकिंग की गई। मौके पर सभी को फायर एनओसी लेनी जरूरी कही गई और आदेशित किया गया कि अगर किसी के पास भी फायर एनओसी नहीं पाई गई तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा मानकों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। जो भी लोग व्यावसायिक कार्य करते हैं, वहां पर सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है। किसी भी स्थिति में सभी व्यावसायिक कार्य करने वालों को नियमों का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा क्योंकि ऐसा बड़ा हादसा हो सकता है। गाजियाबाद के प्रत्येक थाना क्षेत्र में पुलिस टीम इस अभियान को तेजी के साथ चल रही हैं, जिससे सब जगह नियमों का पालन हो सके।

पात्र किसानों को वितरित किए गए निशुल्क फास्टैग

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना के निर्माण के लिए जिन स्थानीय किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई थी, उन्हें निशुल्क फास्टैग वितरित किए गए। इस सुविधा के माध्यम से पात्र किसान बिना टोल शुल्क के एक्सप्रेसवे पर आवागमन कर सकेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे के सहायक महाप्रबंधक जे.के. शर्मा ने बताया कि मंगलवार को जेवर बांगर, करौली बांगर, सबोता, भाईपुर ब्राह्मणान, रौनिजा, दयानतपुर, जहानगढ़, टप्पल, कृपालपुर, जिकरपुर, सियारौल, अलावलपुर, कंसेरा और सिमरौठी सहित विभिन्न गांवों के पात्र किसानों को आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद लगभग 200 निशुल्क फास्टैग वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि जिन पात्र किसानों को अभी तक फास्टैग प्राप्त नहीं हुआ है, वे जेवर टोल प्लाजा पर संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज, जिनमें नक्शा-11, वाहन की आरसी तथा मतदाता पहचान पत्र शामिल हैं, जमा कर सकते हैं। आवेदन की जांच और सत्यापन के बाद पात्रता के अनुसार निशुल्क फास्टैग जारी किए जाएंगे। सहायक महाप्रबंधक ने किसानों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना से प्रभावित सभी पात्र किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

गो संरक्षण के लिए समाज को आगे आने की जरूरत : शंकराचार्य

बिजनौर (शिखर समाचार)। गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को धामपुर पहुंचने पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कालागढ़ रोड स्थित शुभम मंडप में आयोजित सभा में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज से सक्रिय भागीदारी की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौवंश का विशेष स्थान है। गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि देशभर में गो संरक्षण को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है और इसी उद्देश्य से गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने लोगों से गो सेवा, गो संरक्षण तथा गौशालाओं के सहयोग के लिए आगे आने का आह्वान किया। शंकराचार्य ने कहा कि गोवंश की सुरक्षा और संवर्धन के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को गोवंश की रक्षा एवं सम्मान के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के दौरान यात्रा में शामिल संत महात्माओं का स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने गो संरक्षण के समर्थन में अपने विचार रखे और गो सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वक्ताओं ने जनजागरूकता बढ़ाने तथा गोवंश संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर रुचि वीरा, यशवीर सिंह, अमित प्रताप सिंह, योगेश रस्तौगी, संयम जैन, रविंद्र राजपूत, नवनीत राणा, व्योमकेश चौहान, उदल सिंह, नसीम राणा, जावेद सईद सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर पंचायत सख्त, ईओ ने दी चेतावनी

जेवर (शिखर समाचार)। नगर पंचायत जेवर के नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी नीरज कुमार त्रिपाठी ने कार्यभार संभालने के बाद नगर में स्वच्छता एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत कर दी है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि नगर क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन लोगों ने सार्वजनिक स्थानों, सड़कों या नालों पर अतिक्रमण कर रखा है, वे स्वयं उसे हटा लें, अन्यथा नगर पंचायत पुलिस बल की सहायता से कार्रवाई करेगी। मंगलवार को अधिशासी अधिकारी ने नगर पंचायत कार्यालय के समीप निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे एक स्क्रैप गोदाम के बाहर बड़ी मात्रा में कबाड़ और कचरा फैला हुआ पाया गया, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। नगर पंचायत कर्मियों एवं पुलिस बल की मौजूदगी में उक्त अतिक्रमण और कचरे को हटवाया गया। साथ ही गोदाम संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए कि भविष्य में किसी भी प्रकार का स्क्रैप या कचरा सड़क पर नहीं डाला जाए। अधिशासी अधिकारी नीरज कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यदि दोबारा गोदाम के बाहर कचरा या स्क्रैप पाया गया तो संबंधित गोदाम को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर की स्वच्छता, सुंदरता और यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत जेवर में लंबे समय से नियमित अधिशासी अधिकारी की नियुक्ति नहीं थी और इस दौरान कार्यभार एसडीएम द्वारा संभाला जा रहा था। हाल ही में नीरज कुमार त्रिपाठी की नियुक्ति के बाद नगर पंचायत की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की दिशा में अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने नगरवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित नगर के निर्माण में सभी की सहभागिता आवश्यक है। साथ ही चेतावनी दी कि अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

विशेष शिक्षक नियुक्त होने पर रेनू विश्वकर्मा का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। शहर के आर्य समाज मंदिर में मंगलवार को वैदिक हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान शिक्षा विभाग में विशेष शिक्षक के पद पर नियुक्त होकर बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाली रेनू विश्वकर्मा का स्त्री आर्य समाज की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक यज्ञ से हुआ, जिसमें आचार्य सुदेश पाल ने ब्रह्मा के रूप में वैदिक मंत्रोच्चारण करते हुए यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के उपरांत स्त्री आर्य समाज की ओर से रेनू विश्वकर्मा को स्मृति चिह्न एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दिव्यांग एवं बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विशेष शिक्षक के रूप में रेनू विश्वकर्मा की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह समाज के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है। वक्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में मीनाक्षी आर्य, पूनम आर्य, नीलम आर्य, मंजू आर्य, आशा आर्य, वेद प्रकाश आर्य, दिनेश आर्य, सुभाष आर्य, देवेंद्र आर्य, जितेंद्र आर्य तथा विनोद आर्य सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा और मोदी सरकार की नई राजनीतिक बिसात

भारतीय राजनीति में मंत्रिमंडल केवल प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा नहीं होता, बल्कि वह सत्ता की राजनीतिक प्राथमिकताओं, सामाजिक समीकरणों और भविष्य की रणनीतियों का भी प्रतिबिंब होता है। ऐसे में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया भर नहीं माना जा सकता। 23 जून 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में कई नए प्रश्न और संभावनाएं जन्म ले चुकी हैं।

जॉर्ज कुरियन का राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो चुका था और भारतीय संविधान के प्रावधानों के अनुसार संसद के किसी भी सदन का सदस्य न रहने की स्थिति में मंत्री पद पर बने रहना संभव नहीं था। यही कारण रहा कि उन्हें मंत्रिपरिषद से विदा लेना पड़ा। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों की नजर केवल इस संवैधानिक अनिवार्यता पर नहीं, बल्कि उस निर्णय पर भी है जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी ने हाल में हुए राज्यसभा चुनावों में उन्हें दोबारा अवसर नहीं दिया।

जॉर्ज कुरियन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में उन चेहरों में शामिल थे जिन्हें भाजपा ने विशेष राजनीतिक संदेश देने के उद्देश्य से आगे बढ़ाया था। केरल से आने वाले कुरियन को भाजपा लंबे समय से ईसाई समुदाय के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने के प्रयासों के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करती रही है। वे पार्टी के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं तथा अल्पसंख्यक समुदायों के साथ संवाद स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती रही है।

उनका मंत्रिमंडल से बाहर होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे मोदी सरकार में ईसाई समुदाय का एक प्रमुख प्रतिनिधि चेहरा माने जाते थे। ऐसे समय में जब भाजपा दक्षिण भारत विशेषकर केरल में अपने संगठनात्मक विस्तार को नई गति देना चाहती है, तब कुरियन को राज्यसभा का पुनः अवसर न देना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि पार्टी की रणनीति क्या है, इसका स्पष्ट उत्तर अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इतना निश्चित है कि भाजपा आने वाले समय में अपने संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर कुछ नए प्रयोग करने की तैयारी में दिखाई दे रही है।

कुरियन के इस्तीफे के बाद स्वयं उनके बयान ने भी राजनीतिक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही उन्हें केंद्रीय मंत्री बनने का अवसर मिला और इसके लिए वे उनका आभार व्यक्त करते हैं। यह बयान न केवल उनकी व्यक्तिगत विनम्रता को दशार्ता है, बल्कि भाजपा की उस राजनीतिक संस्कृति को भी रेखांकित करता है जिसमें संगठन और नेतृत्व के प्रति सार्वजनिक निष्ठा को विशेष महत्व दिया जाता है। इस पूरे घटनाक्रम को व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पिछले कुछ सप्ताहों से केंद्र सरकार में संभावित फेरबदल की चचाएंं लगातार चल रही हैं। राज्यसभा चुनावों के बाद कई राजनीतिक समीकरण बदले हैं और भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों तथा 2029 की तैयारी को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम को नए स्वरूप में ढाल सकती है। जॉर्ज कुरियन का बाहर होना इसी बड़े राजनीतिक पुनसंर्तुलन की एक कड़ी के रूप में भी देखा जा रहा है।

राजनीति में पद स्थायी नहीं होते, लेकिन किसी नेता की उपयोगिता केवल पद से नहीं आंकी जाती। जॉर्ज कुरियन के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे संगठनात्मक स्तर पर अपनी भूमिका को किस प्रकार आगे बढ़ाते हैं। केरल जैसे राज्य में भाजपा अभी भी अपने जनाधार को व्यापक बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसे में कुरियन जैसे अनुभवी नेता पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बने रह सकते हैं। कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि उन्हें संगठन में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और वे दक्षिण भारत में भाजपा की रणनीति का हिस्सा बने रहेंगे।

~ मौलिक चिंतन ~

सांप्रदायिकता का सबसे भयावह पक्ष यह है कि वह नफरत को विरासत बना देती है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चचाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चचाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चचाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चचाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चचाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चचाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवालः आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।
~~~~~~~~~

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छीयूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

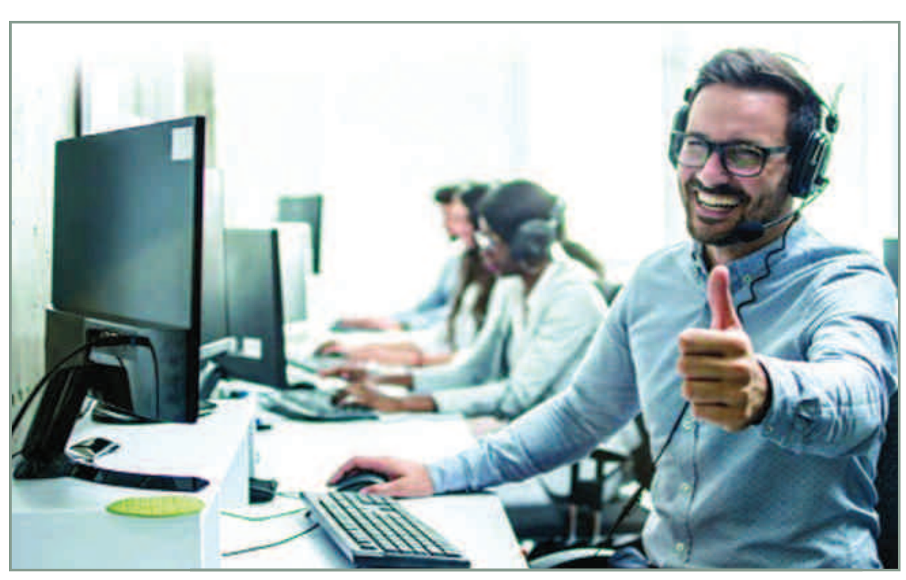

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कंटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कंटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एप्पल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलायंस समूह पर व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंचीं; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एसएमई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 893 निफ्टी 278 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी , मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएससई निफ्टी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया।वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.74 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर शुरुआत की वजह से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.69 पर खुला। डॉलर के मजबूत होने और करीब 13 महीने के उच्च स्तर के आसपास बने रहने से ही घरेलू मुद्रा पर दबाव है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में थोड़ा मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 94.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 पर बंद हुआ था।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस पर कोई ब्रांड लोगो नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तृप्ति पन्नू व विजेंद्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलफनामे में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूले हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी

खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, अन्यथा कंपनी को हर सप्ताह 50 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई। एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था। कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला

की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

जरुरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार

मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ओरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसे को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलैटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और टॉप-अप लोन अमाउंट को मिलाकर आपकी ईएमआई को रिवाइज्ड लोन अमाउंट और टर्म के हिसाब से दोबारा कैलकुलेट किया जाता है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना पड़ता है। बैंक या वित्तीय संस्थान टॉप-अप राशि स्वीकृत करने से पहले आपकी पात्रता (इनकम, मौजूदा डेट्स, क्रेडिट स्कोर और लोन रीपेमेंट हिस्ट्री) की दोबारा जांच करेंगे। इसके लिए आपको अपने वित्तीय संस्थान से संपर्क करना होगा और लोन अमाउंट बढ़ाने के लिए एक रिक्वेस्ट लेटर जमा करना होगा। इसके साथ आवश्यक दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। अप्रूवल के बाद, कुछ मामलों में आपको मौजूदा लोन को बंद करके एक नया एग्रीमेंट साइन करना पड़ सकता है, जिसमें बदली हुई राशि, ईएमआई और ब्याज दर का उल्लेख होगा। टॉप-अप लोन की कोई तय सीमा नहीं होती; यह बॉरोअर के रीपेमेंट हिस्ट्री और प्रोफाइल पर निर्भर करता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि टॉप-अप पर्सनल लोन का टेन्योर ओरिजिनल लोन के बचे हुए टेन्योर से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि आप लंबा लोन टेन्योर चाहते है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर .154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंप्यूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी थी। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

तरलता संकट से जूझते बैंकों को आरबीआई का सहारा

जीएसटी और अग्रिम कर भुगतान से गहराया नकदी दबाव, केंद्रीय बैंक ने डाले 1.41 लाख करोड़

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी से निपटने के लिए मंगलवार को सात-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 1,41,171 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय हुआ है जब प्रणाली में नकदी अधिशेष से घटकर घाटे में चली गई। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत पर डाली गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और अग्रिम कर भुगतान के कारण धन की निकासी से बैंकिंग प्रणाली 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए के अधिशेष से 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपए के घाटे में आ गई। इस नकदी संकट ने ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा दिया है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, ट्राइ-पार्टी रेपो (टीआरईपीएस) दरें भी नीतिगत ब्याज दर से अधिक पर कारोबार कर रही थीं। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ञ्20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना मेंच्यक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

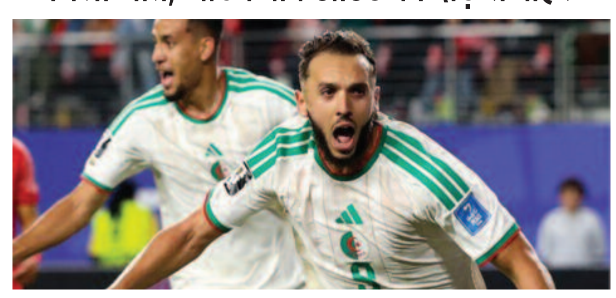

सांता क्लारा। दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था। घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

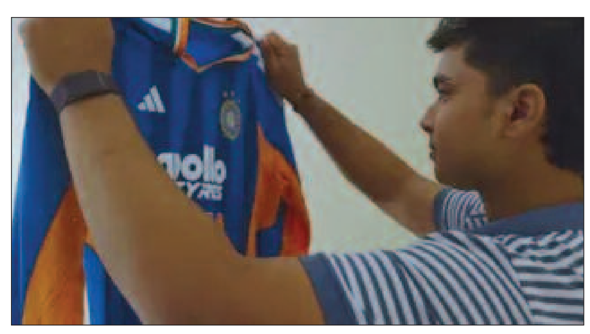

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3927

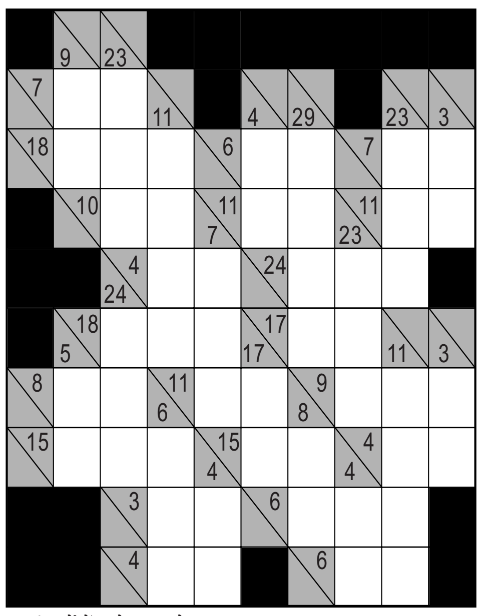

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

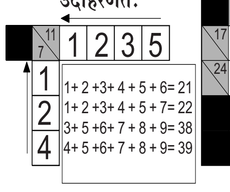

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3926 का हल

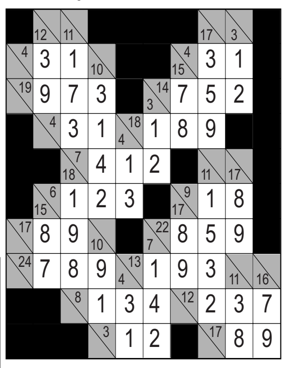

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी, मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3927

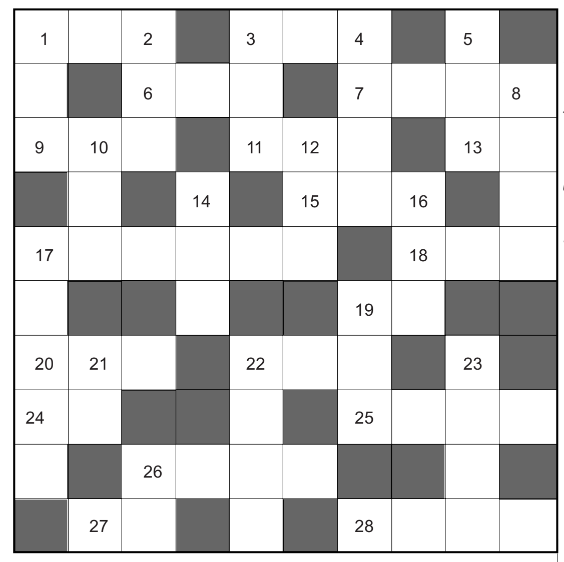

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3926

सूडोकु -3927

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3926 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली -3927

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -3926 का हल

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

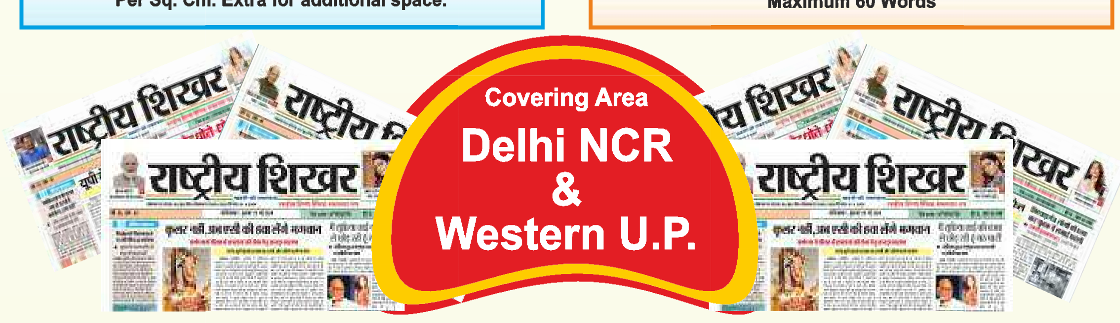

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

बॉक्स ऑफिस प्रेशर पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन ने बताया कि आखिर फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस का कितना दबाव होता है। इसके साथ ही अजय ने यह भी बताया कि बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल इतने सफल क्यों होते हैं?

अजय देवगन ने माना कि फिल्म रिलीज होने से पहले हर किसी को थोड़ा डर और दबाव महसूस होता है। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो प्रेशर होना बिल्कुल सामान्य है। इससे हर एक्टर गुजरता है। हम बहुत मेहनत से फिल्म बनाते हैं और हमेशा यही उम्मीद रहती है कि दर्शकों को यह पसंद आए। इसी उम्मीद की वजह से रिलीज के वक्त दिल में थोड़ी घबराहट रहती है।'

सीक्वल फिल्में क्यों होती हैं हिट

'गोलमाल' और 'दृश्यम' जैसी कई सुपरहिट सीक्वल फिल्मों में काम कर चुके अजय देवगन ने बताया कि सीक्वल के हिट होने का राज क्या है। अजय ने कहा कि सीक्वल फिल्में तभी कामयाब होती हैं, जब दर्शकों को पिछली फिल्म के किरदार बहुत पसंद आए हों। एक बार जब दर्शक किरदारों से जुड़ाव महसूस करने लगते हैं, तो उसी कहानी को आगे बढ़ाना आसान और मजेदार हो जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी

अजय देवगन इस फिल्म में 'गुड्डू' नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो उन्होंने 'धमाल 3' में भी निभाया था। फिल्म में उनकी जोड़ी ईशा गुप्ता के साथ दिखेगी। इस बार भी फिल्म की कहानी एक मजेदार खजाने की खोज पर आधारित है, जहां सभी किरदार सोने के पहाड़ को ढूंढ रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' और आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के साथ टकराव से बचते हुए अब 'धमाल 4' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निर्माताओं को कहा माफिया

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है।

प्रोड्यूसर्स को लताड़ा

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे।' सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा।'

अपनी आपबीती भी सुनाई

वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

क्या था शिल्पा शिंदे का पूरा मामला?

शिल्पा शिंदे ने बीते दिनों कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शो छोड़ने के बाद और पेंडिंग पेमेंट्स को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिलपा शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनका बकाया मिल गया। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

'मां इंटी बंगारम' में खुद सामंथा ने किए हैं सारे एक्शन सीन्स

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्री-रिलीज इवेंट में समांथा ने फिल्म के एक्शन सीन को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक्शन बिल्कुल रियल है- ना कोई स्लो मोशन, ना ही उड़ने वाले शॉट्स और ना ही ज्यादा ड्रामा। समांथा ने कहा, 'फिल्म में जो भी फाइट सीन हैं, वो बिल्कुल असली लगेंगे। मुझे भी शूटिंग के दौरान कई बार चोट लगी, यहां तक कि खून भी बहा। लेकिन मैंने सारे एक्शन सीन खुद किए हैं, इसलिए ये इतने असली लगते हैं और लोगों को पसंद आते हैं।'

फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक फैमिली एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इस फिल्म में दिगनाथ और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में श्री मुखी, गौतमी, आनंद और लक्ष्मी भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

ऑस्कर विजेता कंपनी के साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन

मशहूर हॉलीवुड प्रोडक्शन और मैनेजमेंट कंपनी ने बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। यह कंपनी 'द रेवेनेंट' और 'स्पॉटलाइट' जैसी ऑस्कर जीतने वाली फिल्में बनाने के लिए जानी जाती है।

क्या हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगे ऋतिक

ऋतिक ने 'एनोनिमस कंटेंट' कंपनी के साथ एक डील साइन कर ली है। इस डील के बाद से ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ऋतिक जल्द ही किसी बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन का अब तक का सफर

ऋतिक को बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना प्यार है' से की थी। उन्होंने 'वॉर', 'कृष', 'जोधा अकबर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

ऋतिक का वर्कफ्रंट

ऋतिक रोशन बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी प्री-प्रोडक्शन और निर्देशन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा ऋतिक निर्माता रूप में अपनी पहली वेब सीरीज 'स्टॉर्म' भी बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कलाकार

ऋतिक अकेले नहीं हैं, बल्कि कई भारतीय कलाकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इस समय हॉलीवुड में सबसे सफल भारतीय अभिनेत्री हैं। 'क्वांटिको' सीरियल से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'बेवॉच' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। अब वह जल्द ही सात साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी करेंगी। प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट ने गैल गैडोट के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया। प्रियंका, आलिया और दीपिका पादुकोण के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार्स ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

आकांक्षा रंजन कपूर 'ग्राम चिकित्सालय' के नए सीजन में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, 'डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है।' उन्होंने आगे कहा, 'दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।' 'ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया। शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

प्रियंका चाहर ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।' उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।' उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पोस्ट पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा। ढेर सारा प्यार प्रियंका, तुम्हें दोबारा हमारे सेट पर देखने का इंतजार है।' 'नागिन' एक सुपरनैचुरल फिक्शन टीवी शो है, जिसकी कहानी रूप बदलने वाले नाग-नागिनों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका पहला सीज़न वर्ष 2015 में शुरू हुआ था।

प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

कतर के गैस संयंत्र पर धमाका, 54 लोग गंभीर रूप से घायल, 18 लापता की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के प्रमुख प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में रविवार को भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। ईरान युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। रविवार को इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। इस घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा किए जाने के कारण कतर अपने ग्राहकों तक गैस की खेप नहीं भेज पा रहा था। इसी वजह से कतर ने अपनी गैस उत्पादन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने को लेकर जारी वार्ताओं के बीच ईरान द्वारा जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ कुछ ढीली करने के बाद कतर ने अपने निर्यात टर्मिनल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू की थी। रविवार रात इसी प्रक्रिया के दौरान बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट हुआ और आग लग गई। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कतर एनर्जी ने इस घटना की पुष्टि की है। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शुरुआत जांच के बाद अधिकारियों ने बताया था कि केवल कुछ लोग ही घायल हुए हैं। हालांकि, कई घंटे बाद कतर के गृह मंत्रालय ने कहीं अधिक गंभीर स्थिति का खुलासा करते हुए बताया कि इस हादसे में 54 लोग घायल हुए हैं।

नेपाल के बारा में यात्री बस पलटी 11 यात्री हुए घायल

काठमांडू, एजेंसी। रक्सौल के नितनपुर चौक पर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 11 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है। सभी यात्री सप्तरी और पर्सा जिले के हैं। हादसे के बाद बस के चालक ने मौके से भाग लिया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नेपाल के बारा जिले के जीतपुरसिमरा उपमहानगरपालिका-10 स्थित नितनपुर चौक पर रविवार सुबह एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई, इससे 11 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी नेपाल के सप्तरी व पर्सा जिले के रहने वाले हैं।हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, वीरगंज से सप्तरी के राजविराज की ओर जा रही यात्री बस रविवार सुबह करीब 11 बजे वीरगंज-पथलैया सड़क खंड के नितनपुर चौक के समीप एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त बस को हटाकर इलाका पुलिस कार्यालय सिमरा के नियंत्रण में रखा गया।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू की पुष्टि, वन्यजीवों पर खतरा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू के पहले मामले की आधिकारिक रूप से पुष्टि हो गई है। शनिवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पाए गए एक ब्राउन स्कुआ समुद्री पक्षी में इस वायरस की मौजूदगी की पुष्टि की गई। यह समुद्री पक्षी पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से लगभग 700 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व स्थित केप ले ग्रांड नेशनल पार्क के निकट पाया गया था। इसी क्षेत्र में मिले एक अन्य समुद्री पक्षी, साउदर्न जायंट पेट्रेल, के भी इस वायरस से संक्रमित होने की आशंका जताई गई है। रुआती जांच के बाद दोनों पक्षियों से लिए गए नमूनों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन भेजे गए, जहां एच5एन1 वायरस की पुष्टि की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वायरस ने दुनिया के अन्य महाद्वीपों में वन्यजीव आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया है और ऑस्ट्रेलिया में इसकी मौजूदगी देश के पक्षियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक लंबी चुनौती की शुरुआत हो सकती है। एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस हजारों वर्षों से मौजूद हैं और अधिकांश मामलों में पक्षियों में कोई गंभीर बीमारी नहीं पैदा करते। हालांकि, वर्ष 1996 में इन वायरसों में से एक ने विकसित होकर गंभीर बीमारी पैदा करने की क्षमता हासिल कर ली। इसके बाद से एचपीएआई एच5एन1 वायरस पोल्ट्री उद्योग के लिए बड़ा खतरा बन गया। दुनिया के कुल पक्षियों में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली मुर्गियां इस वायरस का सबसे ज्यादा शिकार बन चुकी हैं।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अधर में अटकी ! ईरानी प्रतिनिधिमंडल का वॉकआउट

बर्न, एजेंसी। मध्य पूर्व में शांति बहाली और तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की बेहद संवेदनशील कूटनीतिक वार्ता में एक अप्रत्याशित मोड़ आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर ईरान को दी गई सीधी सैन्य चेतावनी के बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गया। इस घटना के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि दोनों देशों के बीच की यह नाजुक शांति वार्ता पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बैठक स्थल से सामने आए एक वीडियो फुटेज ने कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि चर्चा के बीच ही ईरानी अधिकारियों का दल कमरे से बाहर निकल जाता है। इस दौरान कमरे में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मूकदर्शक बनकर देखते रह गए।

बातचीत किस बारे में थी : यह बातचीत मध्य पूर्व में तनाव कम करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी और 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की गई थी। खबरों के अनुसार, वार्ताकारों ने कई अहम मुद्दों पर घंटों चर्चा की, जिनमें लेबनान में संघर्ष विराम बनाए रखना, होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और भविष्य में परमाणु समझौते की संभावना तलाशना शामिल था।

खबरों के मुताबिक, दोनों पक्ष क्षेत्र में और अस्थिरता को रोकने के उद्देश्य से तकनीकी और राजनीतिक उपायों पर विचार कर रहे थे। चर्चा का मुख्य केंद्र लेबनान था, जहां अधिकारियों ने दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों में जारी सैन्य गतिविधियों के बावजूद मौजूदा संघर्ष विराम को मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की। प्रतिभागियों ने तनाव बढ़ने से रोकने और पिछले समझौतों के पालन में सुधार के तरीकों पर भी विचार किया।

क्या ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हाथ मिलाने की योजना को ठुकरा दिया : औपचारिक चर्चा शुरू होने से पहले, आयोजकों ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच प्रतीकात्मक रूप से हाथ मिलाने और समूह फोटो खिंचवाने की योजना बनाई थी। हालांकि, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ सहित ईरानी वार्ताकारों ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया।

खबरों के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने प्रस्तावित फोटो सेशन को गंभीर राजनयिक बातचीत के बजाय प्रचार का एक जरिया माना। बैठक स्थल के वीडियो फुटेज में अरागची को उस कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया जहां जेडी वेंस, अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और अन्य अमेरिकी अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने के बजाय, अरागची ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाकर अभिवादन किया और कुछ ही क्षणों बाद वहां से चले गए।

ट्रंप ने क्या कहा : ट्रंप ने लेबनान में हिजबुल्लाह की गतिविधियों को लेकर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने मांग की कि ईरान हिजबुल्लाह पर लगाम लगाए और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर अमेरिका की ओर से नई सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ये टिप्पणियां उस समय आईं जब बातचीत चल ही रही थी, जिससे वार्ता में अनिश्चितता का एक नया पहलू जुड़ गया। ट्रंप ने लिखा, 'ईरान को लेबनान में अपने भारी-भरकम पैसे पाने वाले प्रॉक्सी (प्रतिनिधियों) को गड़बड़ी फैलाने से तुरंत रोकना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बल्कि उससे भी ज़्यादा ज़ोरदार!!!'

बाद में ईरानी मीडिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के जाने का फ़ैसला राष्ट्रपति की टिप्पणियों से जुड़ा था, जिसे तेहरान के अधिकारियों ने कूटनीतिक पहल के बजाय एक धमकी के तौर पर देखा। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों से पता चला कि ट्रंप की टिप्पणियों के बाद बातचीत करने वालों ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां ज़ाहिर कीं। हालांकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर बातचीत के विफल होने की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस घटना ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या बढ़ती बयानबाज़ी के बीच यह नाजुक कूटनीतिक गति बनी रह पाएगी।

शिकागो शहर में गोलीबारी में सात लोगों की मौत, कई घायल; ट्रंप ने दोहराई सैन्य हस्तक्षेप की मांग

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो शहर में सप्ताहांत के दौरान हुई गोलीबारी की कई घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ये घटनाएं शुक्रवार शाम से शुरू हुईं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में सैन्य हस्तक्षेप की अपनी मांग दोहराई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'गवर्नर प्रिट्जकर मुझसे मदद क्यों नहीं मांग रहे हैं? मैं एक महीने में शिकागो को सुरक्षित शहर बना सकता हूं। एक साल में यह सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल होगा।' इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर के कार्यालय ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिट्जकर वर्ष 2028 के संभावित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के दावेदार माने जाते हैं और वे पहले भी ट्रंप की सैन्य हस्तक्षेप संबंधी मांगों को खारिज कर चुके हैं। ट्रंप के कार्यकाल में न्यू ऑरलियन्स, वॉशिंगटन डीसी और टेनेसी के मेम्फिस जैसे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अपराध नियंत्रण अभियानों के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, शिकागो पुलिस विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की पहली छमाही की तुलना में गोलीबारी की घटनाओं में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शहर में हिंसक अपराधों की दर में सामान्य तौर पर कमी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम पांच बजे से अब तक कम से कम दो दर्जन गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। मारे गए लोगों में एक 21 वर्षीय युवक शामिल है, जिसे रविवार को सीने में गोली मारी गई। इसके अलावा शनिवार शाम एक 18 वर्षीय युवक की बगल में गोली लगने से मौत हुई, जबकि शुक्रवार को 50 वर्षीय व्यक्ति की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम शिकागो की एक सड़क पर खड़ी भीड़ पर एक एसयूवी से आए दो लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

जीत का जश्न बना रही थी महिला, पड़ोसी ने 911 पर किया फोन; अमेरिकी पुलिस ने घर में घुसते ही चलाई गोली

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया।

लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चैंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं।

क्या पुलिस के पहुंचते ही कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया था? पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता।

आखिर पुलिस ने कुत्ते पर गोली क्यों चलाई : कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया।

गजब ! ऐसा भूकंप आया कि पूरा देश एक तरफ खिसक गया, 6 किमी आगे हुआ शिफ्ट

टोक्यो, एजेंसी। साल 2011 में जापान ने भयंकर दर्द सहा। तब मार्च के महीने में आया एक विनाशकारी भूकंप 20 हजार लोगों की मौत की वजह बन गया। हालांकि, अब नई जानकारी सामने आई है, जिससे खुलासा हुआ है कि सिर्फ तबाही ही नहीं, उस भूकंप ने दुनिया में जापान की जगह ही बदल कर रख दी थी। लोगों को चोट पहुंचाने और तबाही का पर्याय माने जाने वाले भूकंप ने एक ऐसी घटना को भी अंजाम दिया है, जिसने वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। कहानी जापान की है, जिसने साल 2011 में भयंकर दर्द सहा। देश में तब आए भूकंप को लेकर स्टडीज जारी हैं और अब खुलासा हुआ है कि झटकों के बाद पूरा देश ही एक दिशा में आगे बढ़ गया था। अब तक इसकी वजह साफ नहीं हुई थी, लेकिन वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र में प्रगति कर बड़े रहस्य से पर्दा उठाया है। लगभग 15 साल पहले जापान में आए विनाशकारी भूकंप को लेकर वैज्ञानिकों ने नया खुलासा किया है। 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप से जापान देश पूर्व की तरफ 5-6 मिलीमीटर आगे खिसक गया था। साल 2011 में आए भूकंप की तीव्रता 9 मापी गई थी। उस विनाशकारी त्रासदी में 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी। शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिये डाटा जुटाया। भूकंप के कारण फॉल्ट लाइन (दरार) के पास चट्टानों के बड़े ब्लॉक अचानक एक-दूसरे के आगे फिसल गए। इस भूकंप से जो शक्तिशाली तरंगें निकलीं, वे पृथ्वी के भीतर गहराई में सीधे पृथ्वी के केंद्र तक गईं। ये तरंगें कोर से टकराकर सतह की ओर लौट आईं। इस दौरान तरंगों ने जापान के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं को दोबारा सक्रिय कर दिया, जिससे जमीन में अतिरिक्त हलचल पैदा हुई। जापान ने जियो नेट नाम का एक विशाल नेटवर्क बना रखा है। इसमें 1,200 से अधिक जीपीएस स्टेशन लगे हैं।

भविष्य में मिलेगी मदद : इस खुलासे ने बताया कि पृथ्वी के कोर से टकराकर लौटने वाली तरंगें मुख्य भूकंपीय क्षेत्र को दोबारा सक्रिय कर सकती हैं। भविष्य में संवेदनशील इलाकों में भूकंप के खतरों का नए सिरे से आकलन करने में मदद करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान के उत्तर पूर्वी तट पर आए तूफान के बाद वैज्ञानिकों को हैरान करने वाली चीज दिखी थी। झटकों के करीब 16 मिनट बाद जापान में लगे तक्क स्टेशन्स ने पाया कि देश पूर्वी दिशा में खिसक गया है। खास बात है कि ये गतिविधियां पूरे देश में एकसाथ हुईं।

'न वो मेरी हर बात मानते हैं, न मैं उनकी...', ट्रंप से रिश्तों पर नेतन्याहू का बड़ा बयान; फिर बढ़ी टेंशन

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। एक अंतरराष्ट्रीय नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि भले ही अमेरिका और इजरायल करीबी सहयोगी हों, लेकिन दोनों देशों के बीच हमेशा हर मुद्दे पर सहमति नहीं होती।

'हम स्वतंत्र देशों के नेता हैं' : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के साथ अपने तालमेल पर बात करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वह सब कुछ नहीं करते जो मैं चाहता हूं और न ही मैं वह सब कुछ करता हूं जो वह चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे दोनों आजाद और गर्व करने वाले देशों के नेता हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी उनकी राय एक-दूसरे से अलग हो।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजरायल हमास, हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित अन्य समूहों के साथ सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। हालांकि अमेरिका इन मुद्दों पर इजरायल का साथ देता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन हमेशा इजरायल की हर मांग को तुरंत स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका-ईरान वार्ता : दूसरी ओर, जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक हलचल पर भी बड़ी जानकारी सामने आई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 18 घंटे तक गहन चर्चा हुई। इस बातचीत में कतर और पाकिस्तान ने मध्यस्थ के रूप में काम किया। प्रवक्ता ने बताया कि नेगोशिएटिंग डेलिगेशन का काम फिलहाल एक चरण के लिए पूरा हो गया है और अब विशेषज्ञों की 'टेक्निकल टीमें' विवरणों पर काम जारी रखेंगी। जल्द ही मध्यस्थों की ओर से एक लिखित दस्तावेज जारी किया जाएगा, जिसमें उन सभी बिंदुओं की रूपरेखा होगी जिन पर सहमति बनी है। इस पूरी वार्ता में ईरान ने मुख्य रूप से दो बड़ी मांगें रखी हैं।

पहली मांग यह है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपना तेल बेचने के लिए जरूरी परमिट दिए जाएं और तेल की बिक्री पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। दूसरी बड़ी शर्त 'फ्रोजन एसेट्स' से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से दुनिया के अलग-अलग देशों में फंसे उसके अरबों डॉलर वापस दिए जाएं। ईरानी प्रवक्ता ने स्पष्ट कर दिया कि इन दो मुद्दों का समाधान निकलना वार्ता की सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

कोलंबिया में क्यों जले अमेरिकी झंडे? राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के बाद भारी बवाल, जानें क्या है ट्रंप कनेक्शन

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद देश के हालात बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले कट्टर दक्षिणपंथी नेता अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला ने इस चुनाव में बहुत ही कम अंतर से जीत दर्ज की है। इस खबर के बाद कोलंबिया के तीसरे सबसे बड़े शहर काली में हिंसक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे जलाए हैं। इसके साथ ही दंगा-रोधी पुलिस के साथ भीड़ की काफी भारी झड़प भी हुई है जिसे रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला को 49.66 प्रतिशत वोट मिले जबकि वामपंथी इवान सेपेदा को 48.70 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। इन दोनों प्रमुख उम्मीदवारों के बीच केवल कुछ लाख वोटों का ही बहुत मामूली अंतर रहा है। जीत के बाद 47 साल के अबेलार्दो ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जताते हुए कहा कि देश ने अपना सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात हुई जिन्होंने उन्हें बधाई और पूरा समर्थन दिया है।

दक्षिणपंथी राजनीति की वापसी : अबेलार्दो की इस अहम जीत के साथ ही कोलंबिया में एक बार फिर से दक्षिणपंथी राजनीति की सत्ता में वापसी हो गई है। पिछले 200 वर्षों के इतिहास में केवल 4 साल को छोड़कर ज्यादातर समय यहां दक्षिणपंथी दल ही शासन करते रहे हैं। वामपंथी दल इस बड़ी जीत को सीधे तौर पर कोलंबिया के चुनाव में अमेरिका का भारी हस्तक्षेप बता रहे हैं। इसलिए अब देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के आगे भी लगातार जारी रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

अमेरिकी समर्थन और भविष्य की नीतियां : अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला के पास अमेरिका और कोलंबिया दोनों देशों की नागरिकता मौजूद है और वे खुद को बाघ कहते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह सत्ता में आते ही विद्रोही समूहों के साथ चल रही शांति वार्ताएं खत्म कर देंगे। उन्होंने इन विद्रोही समूहों के खिलाफ अमेरिका के समर्थन से 90 दिनों तक लगातार हवाई हमले करने का भी ऐलान किया था। उनके इन आक्रामक फैसलों से देश में नई राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मचने की गहरी आशंका पैदा हो गई है।

कोलंबिया के सामने बड़ी चुनौतियां : कोलंबिया में फार्क गुरिल्ला गुट के साथ हुए ऐतिहासिक शांति समझौते को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस एक दशक के दौरान देश के कई हिस्सों में काफी विकास हुआ है लेकिन चुनौतियां अभी भी कायम हैं।

हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके; ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

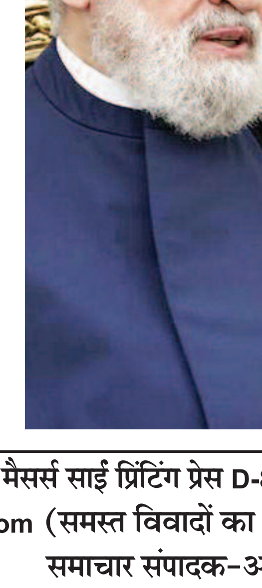

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है।

शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं। हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

हिजबुल्ला किस तरह के युद्धविराम की मांग कर रहा है : कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा : शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो।

क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण : हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस प्रक्रिया में लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान को समाप्त करना भी एक अहम मुद्दा माना जा रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने की राह अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)